Postal Regd. No : L/SLN/98/ 2019-21
RNI. Regd. No 66124/97
D.A.V.P No.131488

हिम हिमवन्ती

केन्द्र एवं हिमाचल सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त
हिमाचली संस्कृति एवं जनभावनाओं का सहज प्रवक्ता

नाहन (सिरमौर)
वर्ष : 23 अंक : 42
प्रत्येक बुधवार
16 से 22 अक्टूबर 2019
पृष्ठ : 8 मूल्य : तीन रुपये
हिन्दी साप्ताहिक
सम्पादक : अरविन्द गोयल

www.himwanti.in E-mail : himwantimedia@gmail.com WhatsApp 9318855025 @himwantimedia

नेशनल हाईवे 707 का निर्माण कार्य कछुआ गति से क्यों?

-सरकार चुनाव कराने में व्यस्त
-ग्रामीण जान जोखिम में डाल कर रहे सफर

पांवटा (सुन्दर चौहान).लालढांग रोहडू एन एच 707 पिछले 10 दिन से बंद पड़ा हुआ है,जिसके चलते लोगो को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। लोग ट्रैक्टर में हिचकोले खाते गिरी नदी के रास्ते जान जोखिम मे डालकर अपने गंतव्य तक पंहुच रहे है जबकि प्रदेश सरकार चुनाव में व्यस्त है,जिसके चलते समस्या ओर विकट हो गई है। विभाग सड़क खोलने का काम तो कर रहा है लेकिन उसका काम कछुआ गति से चल रहा है। शिलाई के विधायक हर्ष वर्धन चौहान ने सरकार पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। 10 दिन पहले लालढांग रोहडू एन एच पांवटा से करीब 18 किलोमीटर दूर कच्ची ढांग के पास बहुत बड़ा भू-भाग अचानक दरक गया ओर करीब 300 मीटर सड़क का नामोनिशान मिट गया इस आपदा के बाद से गिरीपार सहित शिमला जिला के उपरी हिस्से का संपर्क जिले से कटा हुआ है। यही एकमात्र एन एच मार्ग गिरीपार को जोड़ता है। इसी सड़क से शिमला का सेब ओर गिरीपार की सब्जियां मंडी पंहुचती है। सड़क बंद होने से सबसे ज्यादा नुकसान किसानों बागवानों ओर खनन क्षेत्र से जुड़े लोगों को हुआ है। किसान अपनी उपज को समय पर मंडी नही पंहुचा पा रहे है। जबकि सेब उत्पादक घूमकर उतराखंड के रास्ते मंडीयो तक जाने के लिए विवश है। सतौन चूना पत्थर मंडी से बीते 10 दिनों से एक भी ट्रक पत्थर बाहर नही गया जबकि यहाँ से रोजाना सौ ट्रक पत्थर बाहरी राज्यों सहित जिले के उद्योगों को जाते है। सतौन चूना पत्थर मंडी को 10 दिन में करोड़ो का नुकसान हो चुका है। इधर सरकार इन सब समस्याओं से दूर उप चुनाव करवाने में व्यस्त है। खुद को जनता का सबसे बड़ा खैवनहार बताने वाले नेता और मंत्री पछाद उप चुनाव मे गली नुककड़ तक पंहुच रहे है लेकिन किसी के पास यहां आने का समय नही लगा है। सड़क खोलने के लिए विभाग ने जो किराए की मशीने लगवाई है वो पुरानी और खराब बताई जा रही है। जिसके चलते एक सप्ताह में होने वाला काम एक पखवाड़े तक खिंच गया है। फिलहाल सड़क खुलने की संभावना नही है। सतौन ट्रक युनियन और स्थानीय लोगों ने अपने पैसे से गिरी नदी के बीच सीमेंट के पाईप बिछाकर एक वैकल्पिक सड़क तो बनाई है लेकिन उस पर सफर करना जान खतरे मे डालना है। लेकिन लोगों के पास ओर सुविधा न होने के कारण यही एकमात्र विकल्प है। शिलाई के विधायक हर्ष वर्धन चौहान ने आरोप लगाया है की सरकार सड़क खोलने मे लापरवाही बरत रही है,जिसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। एन एच विभाग के एस डी ओ ने बताया कि मशीने बदलकर बड़ी लगवाई जायेंगी ताकी जल्द सड़क का कार्य पूरा हो सके।

समाज के लिए प्रेरणादायक हैं महाराजा अग्रसेन के विचार- बंडारू दत्तात्रेय

शिमला (प्रे.वि). राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि महाराजा अग्रसेन की शिक्षाएं, उनके आदर्श और उन्नत विचार आज भी हमें प्रेरणा देते हैं। लोक कल्याण की सोच के साथ आदर्श समाज की स्थापना के उनके मार्गदर्शन पर हमें आज चलने की जरूरत है। राज्यपाल महाराजा अग्रसेन के 5143वें जन्मदिवस के अवसर पर अग्रवाल समाज शिमला द्वारा आयोजित जयंती समारोह के अवसर पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन मानवता व सामाजिक समानता के प्रवर्तक थे। वह ऐसे युग पुरुष थे, जिन्होंने मानवता व सामाजिक न्याय की बात कही। उन्होंने 'एक इंट और एक रुपया' के सिद्धांत की घोषणा की थी। वह एक धार्मिक, शांतिदूत, प्रजा वत्सल, हिंसा विरोधी, बली प्रथा को बंद करवाने वाले, करूणानिधि, सब जीवों से प्रेम, स्नेह रखने वाले दयालू राजा थे। राज्यपाल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने गौवंश की रक्षा व संरक्षण को महत्व दिया। उन्होंने अग्रवाल समाज से आग्रह किया कि गौवंश की रक्षा के लिए आगे आएं।

इस अवसर पर अग्रवाल सभा शिमला के सचिव सुरेन्द्र गोयल ने राज्यपाल का स्वागत किया।

इससे पूर्व, अग्रवाल सभा के पदाधिकारियों ने राज्यपाल को सम्मानित भी किया। इस मौके पर विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

गन्ने की बकाया राशि का भुगतान शीघ्र हो-राकेश जंग

पांवटा (हिका). गन्ना सोसायटी पांवटा की एक बैठक सोसायटी कार्यालय बद्रीनगर में राकेश जंग की अध्यक्षता में हुई। जिसमें 11 सदस्यों में से 7 सदस्यों ने भाग लिया। जिनमें गन्ना सोसायटी के चेयरमैन सरदार ओंकार सिंह, प्रधान चौधरी राकेश जंग, नम्बरदार खुशहाल सिंह, भूपेन्द्र सिंह आदि मौजूद थे। इस बैठक में किसानों की समस्याओं पर चर्चा हुई तथा उत्तराखंड सरकार से आग्रह किया गया कि वह पांवटा क्षेत्र के किसानों की गन्ने की बकाया राशि जो गन्ना पिछले वर्ष डोईवाला स्थित शुगर मिल दिया गया था कह बकाया राशि का जल्द से जल्द भुगतान किया जाये। गौरतलब है कि पांवटा के किसानों ने पिछले वर्ष जो डोईवाला स्थित शुगर मील को अपना गन्ना दिया था उसका भुगतान अभी तक नहीं हो पाया है जिससे किसान परेशान हैं । किसानों की समस्याओं को लेकर गन्ना सोसायटी की मासिक बैठक 11 अक्टूबर 2019 को हुई है।

विज्ञापनों का किया जा रहा नियमित अनुश्रवण- डा. परूथी

नाहन (प्रे.वि)— जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सिरमौर डा. आर. के. परूथी ने जिले के सभी केबल ऑपरेटरों को निर्देश दिए हैं कि राज्य एवं जिला स्तर पर गठित मीडिया प्रमाणीकरण एवं अनुश्रवण समिति (एमसीएमसी) की लिखित अनुमति के बिना 55—पच्छाद विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उप चुनाव के दृष्टिगत किसी भी प्रकार की राजनीतिक अपील, विज्ञापन इत्यादि को प्रसारित न करें। उन्होंने प्रिंट मीडिया से भी आग्रह किया है कि ऐसे समाचारों को छापने से परहेज करें जो 'पेड न्यूज' की श्रेणी में आएं। डा. आर. के. परूथी ने कहा कि भारत के निर्वाचन आयोग के दिशा —निर्देशानुसार 55—पच्छाद विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उप चुनाव के दृष्टिगत मीडिया के सभी माध्यमों से प्रसारित किए जाने वाले समाचारों, विज्ञापनों एवं अन्य प्रचार— प्रसार का अनुश्रवण किया जा रहा है। ऐसे विभिन्न कार्यों विशेषकर पेड न्यूज तथा इलैक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से प्रसारित किए जा रहे दृश्य—श्रव्य प्रसार तथा विज्ञापनों की निगरानी के लिए एमसीएमसी गठित की गई है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर किए जा रहे प्रचार का भी अनुश्रवण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पेड न्यूज अथवा विज्ञापन इत्यादि के सम्बन्ध में एमसीएमसी से सूचना मिलने पर सम्बन्धित निर्वाचन अधिकारी नियमानुसार उम्मीदवार को नोटिस जारी करेंगें। उन्होंने कहा कि नोटिस मिलने के 48 घण्टे के भीतर सम्बन्धित उम्मीदवार को नोटिस का उत्तर देना होगा। यदि इस समयावधि में उम्मीदवार उतर नहीं देता है तो एमसीएमसी का निर्णय अन्तिम माना जाएगा। जिला स्तर की एमसीएमसी के निर्णय के विरूद्ध राज्य स्तर पर स्थापित एमसीएमसी में अपील की जा सकती है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निष्पक्ष, भयरहित तथा दबावमुक्त चुनाव में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा इस दिशा में मीडिया का सहयोग अपेक्षित है।

पच्छाद से भाजपा की जीत पक्की-जयराम

राजगढ़ (प्रे.वि). धर्मशाला में प्रचार करने के बाद मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर पच्छाद हलके में प्रचार के लिए पहुंचे। यहां चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पच्छाद विधानसभा क्षेत्र की जनता के पास मौका है कि सांसद तो अपना है अब विधायक भी अपना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने विकास में अपनी भूमिका निभाई है। फिर भी जो सात बार का विधायक रहा है, उनसे भी पूछना चाहिए कि उन्होंने सात बार विधायक चुने जाने पर क्षेत्र के लिए क्या किया।

मुख्यमंत्री ने कहा विधानसभा क्षेत्र से केवल दो बार ही भाजपा विधायक चुना गया है। आगे भी भाजपा विधायक चुनकर विधानसभा में साथ चलने वाले साथी को भेजें। मुख्यमंत्री ने कहा जब उन्होंने सत्ता संभाली, तो सत्ता परिवर्तन के साथ पीढ़ी परिवर्तन भी हुआ। साथ ही काम में भी परिवर्तन किया। उन्होंने कहा पहले की सरकारों की तरह इस सरकार में मंत्री के ऊपर कोई मुकदमे नहीं करवाए, बल्कि विकास योजनाएं शुरू करवाईं। मुख्यमंत्री ने कहा धर्मशाला और पच्छाद विधानसभा क्षेत्र दोनों सीटें भाजपा की थी और भाजपा की रहेगी।

जनसभा को संबोधित करते हुए सिंचाई एवं स्वास्थ्य मंत्री ठाकुर महेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेसी कह रहे हैं कि पानी की पाइप आ रही है। कांग्रेसियों को पता नहीं है कि ये पाइप पूरे प्रदेश में आ रही हैं। प्रदेश सरकार ने इनका ऑर्डर सितंबर में किया है। जिसकी सप्लाई पूरे प्रदेश में अक्टूबर में हो रही है। महेंद्र सिंह ने कहा वह सिरमौर से भली–भांति परिचित हैं। तीसरी बार सिरमौर में चुनाव प्रभारी बने हैं। निश्चित ही भाजपा इस विधानसभा क्षेत्र में भारी बहुमत से विजय होगी।

स्वास्थ्य चर्चा

डेंगू और मलेरिया फीवर में कैसे जाने फर्क?

आजकल डेंगू ने भारत में कहर बरपा दिया हैं इस रोग से सबसे ज्यादा पीड़ित उत्तर भारत के लोग हैं। लेकिन डेंगू से बचने के लिए आप थोड़ी सी सावधानी बरत सकते हैं लेकिन कभी–कभी अति से ज्यादा सावधानी भी लोगों के लिए मुश्किल का सबक बन जाती हैं।

जानिए डेंगू कब हो जाता हैं जानलेवा जिसके चलतें सामान्य बुखार को लोंग भी डेंगू समझ लेते हैं, सामान्य डेंगू और मलेरिया तीनों फीवर में अंतर क्या होता हैं।

सामान्य बुखार:– आजकल बरसात का मौसम चल रहा हैं जिसकें कारण लोंगों को सर्दी,जुकाम और बुखार के रोग हो रहें हैं अगर सर्दी के कारण आपको फीवर आ रहा हैं तो इसमें परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। इसके लिए आप डॉक्टर्स से मिलिए और उसके बतीय दवाओं का सेंवन करें।

मलेरिया बुखार:– मलेरिया रोग मादा एनोफिलेंज मच्छर के काटने से होता हैं। जिसके कारण मरीज के अंदर रक्तहीनता के लक्षण उभरते हें जैसे चक्कर आना,सांस फूलना,द्रुतनाड़ी। इसमें कंपकंपी के साथ बुखार आता हैं। मरीज को काफी शरीर में दर्द होता हैं,इसमें मरीज को 4–6 घंटें तक फीवर रहता हैं और जब बुखार उतरता हैं तो मरीज को काफी पसीना आने लगता हैं।

डेंगू बुखार:– यह रोग अचानक तीव्र ज्वर के साथ शुरू होता हैं जिसकें साथ तेंज सर दर्द होता हैं मासंपेशियों तथा जोंड़ो में भयानक दर्द होता हें जिसके चलतें ही इसे हड्डी तोंड़ बुखार कहतें हैं। इसके अलावा शरीर पर लाल चकते भी बन जातें हें जो सबसे पहलें पैरों पे फिर छाती पर तथा कभी–कभी सारे शरीर पर फैल जाता हैं। इसके अलावा पेट खराब हो जाना,उसमें दर्द होना, कमजोरी, दस्त लगना,ब्लेडर की समस्या, निरंतर चक्कर आना,भूख ना लगना भी लक्षण भी शामिल हैं। डेंगू–मलेरिया से बचने के लिए फिलहाल हम घरेलू नुस्के अपना सकते हैं।

पुदीने की पतियों का नियमित सेवन करना चाहिए तथा 15 पतियों को यदि पानी में उबालकर पिया जाये तो उसे यह लाभप्रद है।

कपूर की एक गोली का महीने में एक बार सेवन अवश्य करें। बच्चों को केले में या फिर उबले आलू में भी इसे दे सकते हैं।

– रात को सोते समय हल्दी वाले दूध का सेवन करना भी लाभप्रद है।

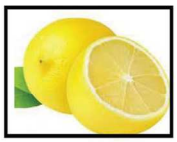

– बारिश के मौसम में विटामिन सी को प्रमुखता से खाना चाहिए। इसके लिए आंवला और नींबू का प्रयोग नियमित रूप से अपने भोजना में करना चाहिए।

किसी अमृत से कम नही आंवला

आंवला भारतवर्ष में उद्यानों और जंगलों में सर्वत्र पाया जाता है। यह 4500 फीट की ऊंचाई तक भी होता है। उद्यानों में लगाए जाने ऑवले के फल बड़े और जंगली आंवले के फल छोटे होते है। इसके वृक्ष की पत्तियां इमली के वृक्ष जैसी होती हैं परन्तु इसकी पत्तियां कुछ बड़ी होती है ये शतपत्र कहलाती है तथा शिवजी पर चढ़ाई जाती हैं।

महर्षि चरक के अनुसार शीत वीर्य होने के कारण आंवला रसायन द्रव्यों में अर्थात् जिसके सेवन से, दीर्घायु प्राप्त हो, वृद्धावस्था दूर होकर वृद्ध भी किशोरावस्था को प्राप्त हो जाये, सर्वश्रेष्ठ है इसके सेवन से बुढ़ापा मनुष्य पर अपना प्रभाव जल्दी नहीं डाल पाता है। इसीलिये आयुर्वेद में इसे अमृत फल व धानी फल आदि कहा गया है। आंवला दो प्रकार का होता है– (1) जंगली आंवला छोटा और कठोर होता है। (2) ग्राम्य आंवला बढ़ा, मृदु और मांसल होता है।

बाहा स्वरूप

आंवले का वृक्ष मधयमाकार तथा 20–25 फुट ऊंचा होता है। इसका कांड टेढ़ा–मेढ़ा और 5–9 फुट तक मोटा होता है। इसकी छाल हरिताभ, धूसर, पतली और परत छोड़ती हुई होती है। पर्णवश्न्त लम्बा, पत्र आयताकार पंखवत व्यस्थित इमली के पत्तों की तरह होते है। पुष्प दंड लम्बा, जिसमें छोटे–2 पीले रंग के फूलगुच्छों में लगे होते हैं। फल–गोलाकार आधे से एक इंच व्यास का, गूदेदार पीलापन लिये हरे और पकने पर लालवर्ण के हो जाते हैं। फलों पर छः रेखायें छः खंडों को दर्शाती है। फल लगने शुरू होते हैं तथा अक्टूबर से अप्रैल तक मिलते हैं।

औषधीय प्रयोग

नेत्ररोग:

20–50ग्रामआंवलो को जौकुट कर दो घंटे तक आधा किलोग्राम पानी में औटाकर उस जल को छानकर दिन में तीन बार आंखों में डालने से नेत्र रोगों में बहुत लाभ होता है।

नेत्रशोथ:

वृक्ष पर लगे हुये आंवले में छेद करने से जो द्रव पदार्थ निकलता है। उसको आंख के बाहर चारों और लेप करने से आँख के शुक्ल भाग की शोथ मिटती है।

नेत्राभिष्यन्द:

आंवले के रस को आंखों में डालने अथवा सहिजन के पत्तों का रस 4ग्राम तथा सैन्धव नमक 250 मिलीग्राम इन्हें एक साथ मिलाकर परिषेचन करने से नूतन अभिष्यन्द नष्ट होता है।

नेत्रफूली:

7ग्राम आंवले को जौकुट कर ठंडे पानी में तर कर दें दो–तीन घंटे बाद उन आंवलों को निचोड़कर फेंक दें और उस जल में फिर दूसरे आंवले भिगों दें। दो तीन घंटे बाद उनको भी निचोड़ कर फेंक दें, इस प्रकार तीन चार बार करके उस पानी को आंखों में डालना चाहिये। इससे आंखों की फूली मिटती है।

केश कल्प:

सूखे आंवले 30ग्राम, बहेड़ा 10 ग्राम की गुठली की गिरी 50 ग्राम और लौहे चूर्ण 10 ग्राम रात भर कड़ाही में भिगोकर रखें, बालों पर इसका नित्य प्रति लेप करने से छोटी आयु में श्वेत हुये केशों के लिये

1. आंवला, रीठा, शिकाकाई तीनों का क्वाथ बनाकर सिर धोने से बाल मुलायम घने और लम्बे होते हैं। ब्राहमी आंवला केशतेल भी बालों के लिये अच्छा होता है।

2. आंवले और आम की गुठली की मज्जा को साथ पीस कर सिर में लगाने से दृढ़मूल लम्बे केश पैदा होते हैं।

नकसीर–

जामून, आम तथा आंवले को कांजी आदि से बारीक पीसकर मस्तक पर लेप करने से नासिका में प्रवृत्त रक्त इस प्रकार रूक जाता है, जिस प्रकार जल का वेग सेतु बन्ध से।

स्वर भेद–

अजमोदा, हल्दी, ऑवलायवक्षार, चित्रक इनको समान मात्रा में मिलाकर, 1से 2ग्राम चूर्ण को 2 चम्मच मधु तथा 1 चम्मच घृत के साथ चाटने से स्वर भेद दूर होता है।

गर्म दूध के साथ गुड़ के सेवन के फायदे

क्या आप जानते हैं कि गर्म दूध के साथ गुड़ का सेवन करने से सेहत को कई बेशकीमती फायदे होते है और आप कई तरह के रोगों से मुक्ति पा सकते हैं? अगर नहीं, तो जरूर जानिए –

1. रोजाना गर्म दूध और गुड़ का सेवन करने से आपके शरीर से अशुद्धियां निकल जाती है। जिससे आपको कोई बीमारी नहीं होगी।

2. अगर आप दूध के साथ चीनी का इस्तेमाल करते है तो इसकी जगह आप गुड़ का इस्तेमाल करें। ऐसा करने से आपका वजन कंट्रोल में रहेगा।

3. अगर आपको पाचन संबधी कोई भी समस्या है तो गर्म–गर्म दूध और गुड़ का सेवन करने से आपको पेट संबंधी हर समस्या से निजात मिल जाता है।

4. अगर रोजाना गुड़ का एक छोटा पीस अदरक के साथ मिला कर खाया जाए तो जोड़ों में मजबूती आएगी और दर्द दूर होगा।

5. गर्म दूध और गुड़ का सेवन करने से आपकी त्वचा मुलायम होने के साथ–साथ त्वचा संबंधी समस्या नहीं होती हैं।

6. गर्म दूध और गुड़ का सेवन करने से आपके बाल भी हेल्दी रहेंगे।

7. गर्म दूध के साथ गुड़ का सेवन करने से आपको पीरियड के समय के दर्द से निजात मिल सकती है।

जानलेवा है प्लास्टिक, इससे होने वाले नुकसान

प्लास्टिक बैग्स से होने वाले पर्यावरण को नुकसान को कम करने की दिशा में हर एक इंसान कुछ बेहद जरूरी कदम उठा सकता है। सतर्कता और जागरूकता दो बेहद जरूरी चीजें हैं इन्हें प्लास्टिक के खिलाफ अपनाया जा सकता है।

1. प्लास्टिक के बैग्स को संभाल कर रखें। इन्हें कई बार इस्तेमाल में लाएं। सामान खरीदने जाने पर अपने साथ कैरी बेग ढ्डकपड़े या कागज के बनेत्रु लेकर जाएं।

2. ऐसे प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचें जिसे एक बार इस्तेमाल के बाद ही फेंकना होता है जैसे प्लास्टिक के पतले ग्लास, तरल पदार्थ पीने की स्ट्र और इसी तरह का अन्य सामान।

3. मिट्टी के पारंपरिक तरीके से बने बर्तनों के इस्तेमाल को बढ़ावा दें।

4. प्लास्टिक सामान को कम करने की कोशिश करें। धीरे–धीरे प्लास्टिक से बने सामान की जगह दूसरे पदार्थ से बने सामान अपनाएं।

5. प्लास्टिक की पीईटीई ढ्डच्म्ज्म्त्रु और एचडीपीई ढ्डभ्क्च्म्त्रु प्रकार के सामान चुनिए। यह प्लास्टिक आसानी से रिसाइकल हो जाता है।

6. प्लास्टिक बैग और पोलिएस्ट्रीन फोम को कम से कम इस्तेमाल करने की कोशिश करें। इनका रिसायकल रेट बहुत कम होता है।

7. आप कम से कम प्लास्टिक सामान फेंकने की कोशिश करें।

8. अपने आसपास प्लास्टिक के कम इस्तेमाल को लेकर चर्चा करें।

9. हमारे देश में भी कई ऐसे सेंटर स्थापित हो गए हैं जहां प्लास्टिक रिसाईकल किया जाता है। अपने कचरे को वहां पहुंचाने की व्यवस्था करें।

10. खुद प्लास्टिक को खत्म करने की कोशिश न करें। न पानी में, न जमीन पर और न ही जमीन के नीचे प्लास्टिक खत्म होता है। इसे जलाना भी पर्यावरण के लिए अत्यधिक हानिकारक है।

प्लास्टिक बैग्स से होने वाले नुकसान की जानकारी अपने आप में नाकाफी है जब तक इसके नुकसान जानने के बाद ठोस कदम न उठाए जाएं।

कविता संग्रह

दर्द-ए-लंकेश

❖ दीपक कुल्लुवी

मेरे कारण तुम आते यहां
कवि सम्मेलन करवाते हो
जो भी मानदेय मिलता तुमको
सारा चट कर जाते हो
मेरे कारण मेले लगते
धन दौलत खूब कमाते हो
ना कोई कमीशन ना रॉयल्टी
सब मिलजुल कर खा जाते हो
यह अच्छी बात नहीं है
कोई इंसाफ नहीं है
सारे मिलकर व्यंग्य वाण
मेरे ऊपर ही चलाते हो
माना मैंने पाप किया
मां सीता का अपमान किया
इससे ज्यादा महापाप
संत आसाराम कर जाते हैं
राम रहीम को देखा
क्या-क्या गुल न खिलाए
ऐसे शातिर अपराधियों के नेता
मंत्री भी गुलाम बन जाते हैं
पैसे के दम पर कितने कातिल
बलात्कारी छूट जाते हैं
अपहरण की मुझको मिली सजा
आज तक मुझको जलाते हो
मुझको लगता मेरा पाप तो
बहुत ही छोटा था
आप भी मुझसे कम नहीं
बुद्धू किसको बनाते हो।

AVAILABLE FOR RENT

Newly constructed villa with good ambience in the Posh area of **Shubkhera** is available for the Guest House/ Individual use of PG. "Accommodations is of 05 fully furnished AC bed rooms with attached wash room".

Common lobby, Modular kitchen with fridge & gas stove and parking facility with separate entry.

" If Interested please contact"

MANMIT SINGH

Cont: 9805070502

सदस्य बाल क्लब

प्रज्ञान

नाम : प्रज्ञान प्रसाद
जन्म तिथि: 24/2/2016
माता/ पिता: मिसेज् अनिता /श्रीमती राम जी प्रसाद
नाना/नानी: श्री राजेश्वर प्रसाद/श्रीमती पंचरतन देवी
दादा/दादी: श्री रामजानम राम/श्रीमती सनदेवा देवी
मामा/मामी: श्री संतोष प्रसाद/श्रीमती रेणुका देवी
ताया/ताई: श्री शिवजी प्रसाद/श्रीमती रीता देवी
भाई: आदित्य प्रसाद
बुआ/फूफा: श्रीमती मीना/श्री प्रेमा देवी
कक्षा: प्री–नर्सरी
मित्र: जैश
स्कूल: किड्स पैराडाईस प्ले स्कूल
प्रधानाचार्य: मिसेज् चारूल गोयल
क्लास टीचर: मिसेज् परविन्द्र कौर
सबसे ज्यादा प्यार करते है: मम्मा
बड़े होकर बनेंगे: आदर्श नागरिक
खाने में पसन्द: केला
अच्छा लगता है: खेलना, कूदना
पता: यमुना विहार कालोनी, पांवटा साहिब।

हिमाचल निर्माता -राष्ट्र गौरव
डॉ. यशवन्त सिंह परमार

अभी और चलना है

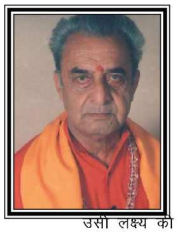

❖ आचार्य चन्द्रमणि वशिष्ठ
"पहाड़ी मृणाल"

'हिमवन्ती' के पाठक पिछले कुछ वर्षों से हिमाचल के प्रसिद्ध साहित्यकार ब्रह्मलीन आचार्य चन्द्रमणि वशिष्ठ के आलेख, कविता, कहानी परक सत्साहित्य का रसास्वादन करते आ रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

आचार्य वशिष्ठ जहाँ लब्ध प्रतिष्ठ साहित्यकार रहे हैं, वहीं अपनी आराधना, साधना व तपोनिष्ठ जीवन के कारण अध्यात्म जगत् में गुरू पद प्रतिष्ठित भी रहे हैं। अपने इस साधनाकाल में उन्होंने कई ऐसी चमत्कार अथवा कृपाएँ देखी हैं जिन पर सहज विश्वास कर पाना सरल नहीं।

वशिष्ठ जी ने हिमाचल निर्माता -राष्ट्र गौरव डॉ. यशवन्त सिंह परमार" पुस्तक भी स्वयं लिखी है जिसे वशिष्ठ जी ने बड़ी खूबसूरती से प्रस्तुत किया है वह अति उत्तम है। अपने इस धारावाहिक में हम वशिष्ठ जी की इसी विशेष पुस्तक से पाठकों को परिचित करवा रहे हैं-

-सम्पादक

उसी लक्ष्य की प्राप्ति का फल है कि आज हमारे बच्चे उच्च शिक्षित हैं। हम सब पहाड़ी भाई-बहन इकट्ठे हैं। डॉ. परमार पंजाब के पहाड़ी क्षेत्रों में बसने वाले लोगों को भी अपने साथ देखना चाहते थे। उनका यह सपना भी बहुत जद्दो जहद के बाद पूरा हो गया जब 1966 में पंजाब के पहाड़ी इलाके हिमाचल में विलय हो गए। हमारा परिवार बड़ा हो गया। हमारी और हृदय की भावनाओं का, प्रेम का, विस्तार हो गया। प्रदेश विशाल हो गया। कूल्लू, कांगड़ा तथा ऊना आदि के पहाड़ी बहन-भाई सब मिल गए। मन खुशियों से भर गये।

अब प्रदेश को पूर्ण राज्य चाहिए था। डॉ. परमार ज्यादातर इसी फिक्र में रहते थे। लगभग पाँच साल इस दिशा में कार्य चलता रहा। डॉ. परमार के शुरू से ही पंडित जवाहर लाल नेहरू तथा इन्दिरा जी से बहुत अच्छे सम्बन्ध थे। इन दोनों के पास वह आसानी से मिलने जा सकते थे। इसका भी उन्हें बहुत लाभ मिला। डॉ. परमार की उच्च शिक्षा ने भी उन्हें अपनी पार्टी में आगे-आगे रखा।

25 जनवरी 1971 बर्फानी सुबह को जब शिमला चाँदी के लिबास में लिपटा हुआ था। चारों तरफ बर्फ, ठंड, सर्द हवाएँ थी तब लगा कि एक गर्म-गर्म खबर आने वाली है। प्रधानमंत्री महोदया श्रीमति इन्दिरा गाँधी जी ने एक विराट सभा में हिमाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा प्रदान करने की घोषणा की। यह डॉ. परमार और प्रत्येक हिमाचली के लिए महान घोषणा थी। हिमाचली गदगद थे। डॉ. परमार और उनके साथी तथा पूरा प्रदेश प्रधानमंत्री महोदया का आभारी था। पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त होने पर हम अपने लिए युनिवर्सिटी, सर्विस, कमीशन, हाई कोर्ट आदि -आदि बना सके।

ऐसा नहीं है कि हिमाचल प्रदेश बनने से पूर्व या बाद में हमें सब कुछ तशतरी में रखा हुआ प्राप्त हुआ। इसके लिए कड़ा संघर्ष, कठोर परिश्रम, अत्यन्त धैर्य, बेहद सूझबूझ, काफी चिन्तन-मनन और हिमाचल वासियों के आपसी सहयोग तथा विश्वास का ठीक-ठीक उपयोग किया गया। डॉ. परमार कहीं जाहिर, कहीं पोशिदा तौर पर एक बड़े मार्गदर्शक बने रहे। पहाड़ और पहाड़ियों के प्रति डॉ. परमार के हृदय में छुपे दर्द ने हिमाचलवासियों के लिए अपार खुशियों की राहें खोल दीं। एक महान व्यक्ति ने कई महान काम कर दिए। हिमाचल प्रदेश सदैव डा. परमार का ऋणी है।

अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए डा. परमार को मानसिक पीड़ा भी सहनी पड़ी, बहसें करनी पड़ीं और क्रोध को दबाना पड़ा। जब हिमाचल प्रदेश में एन.जी.ओ. की 35 दिन की हड़ताल हुई और प्रदेश की आर्थिक स्थिति को समझते हुए भी पंजाब पे स्केल देने पर जोर दिया जा रहा था, यहाँ तक कि डा. परमार की सेवाओं तथा प्रदेश की खराब माली हालत के बारे में मजबूरी को जानते हुए भी इसे नजर अंदाज करके डॉ. परमार के बुजुर्गों को गालियाँ दी जा रही थीं, वह शान्तिपूर्वक अपने पथ पर अग्रसर थे और कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रयत्नशील थे। उन्होंने उप प्रधानमंत्री एवं वित्तमंत्री मोरार जी देसाई से जब आग्रह किया कि अपने कर्मचारियों की मांग पूरी करने के लिए उनके पास पैसा नहीं है, आप धन प्रदान करें तो वह चुप हो गए। डॉ. परमार को यह कहना पड़ा, आप धन नहीं देंगे तो मेरी सरकार टूट जायेगी। देसाई साहिब ने कह दिया, आपकी सरकार टूटेगी, कांग्रेस की सरकार तो नहीं टूटेगी, कोई और मुख्यमंत्री बन जाएगा। सोचिए ऐसा उत्तर सुनकर डा. परमार को कैसा लगा होगा। फिर वह प्रधानमंत्री महोदया से मिले। धन मिला और वह कर्मचारियों के लिए खर्च किया गया।

एक बार मीटिंग में सरदार प्रताप सिंह कैरों साहिब ने हिमाचल के बारे में अपनी राय इस प्रकार जाहिर की-'हिमाचल सूबा तो नहीं है, पंजाब के साथ लगता एक छोटा सा क्षेत्र'। डॉ. परमार की तथा सरदार साहिब की थोड़ी नोक-झोंक हो गई।

शरद ऋतु

खान-पान स्वास्थ्यचर्या

- आचार्य महेशानन्द विद्यालंकार

शरद ऋतु-

शरद ऋतु को विसर्ग काल का माध्यम काल माना जाता हैं, इसलिए इस समय शरीर वनस्पतियों आदि में मध्यम बल पाया जाता है। शरद ऋतु में दो मासों का समवेश होता हैं ,इ क्वार, कार्तिक। इस समय औषधि

यों,वनस्पतियों आदि में अम्ल रस की अधिकता पाई जाती हैं। शरद ऋतु वर्षा के तुरन्त बाद की ऋतु होती है। वर्षा के बाद शरद में सूर्य पूरी तरह अपनी तेज उष्णता के साथ चमकता है। इस उष्णता के कारण वर्षा ऋतु के समय जमा हुआ पित्त-दोष एकदम कुपित हों जाता है। जिससे रक्त दूषित होने लगता है। परिणाम स्वरूप रक्त दोष जैसे- फोड़े- फुन्सी, चकते, खाज -खुजली, बुखार आदि लक्षण दिखाई देने लगते हैं

पथ्य आहार

विहार:- जिन-जिन ऋतुओं में जो-जो दोष प्रकुपित होते हैं, उन-उन ऋतुओं में उन-उन दोषों के शामक रस हितकारी है। जैसे शरद ऋतु में पित्त का प्रकोप होने से इस समय इसके शामक मधुर, तिक्त,कषाय रस का सेवन करना चाहिए इस दृष्टि से गीठे,सुपाच्य और पेय पदार्थ उपयोगी रहते हैं। इसे लिए मूंग, शालि,चावल, दही , घी , मक्खन ,दूध,जौ आदि उपयुक्त है।

ऋतुचार्य के प्रभाव:- ऋतुचार्य अर्थात् ऋतुपरिवर्तनकाल। व्यतीत होने वाली ऋतु का अन्तिम सप्ताह तथा आने वाली ऋतु का प्रथम सप्ताह को ऋतु सन्धि कहते हैं। ऋतुसन्धि के चौदह दिनों में उन ऋतुओं के आहार-विहार के "पादशिक कम" से छोड़ना व ग्रहण करना चाहिए इससे ऋतु परिवर्तनजन्य दोष वैषम्य तथा असात्म्यजन्य रोग नही हो पाते। ऋतुचार्य के प्रथम दिन चल रही ऋतु के अनुकूल आहार के तीन पाद और उत्तरीय आहार के तीन पाद ग्रहण करें। दूसरे दिन चल रही ऋतु के अनुकूल ही आहार करें। तीसरे दिन पहले दिन की भाँति करें। चौथे दिन चल रही ऋतु से सम्बद्ध आहार के दो पाद और उत्तरीय आहार के दो पाद ले ले।। पाँचवे छठे दिन भी प्रथम दिन की भाँति करे। सातवें दिन चौथे दिन की तरह। आठवें दिन चल रही ऋतु से सम्बद्ध आहार का एक भाग और उत्तरीय आहार के तीन भाग। नवम - दशम -एकादश दिन में चौथे दिन की भाँति। बारहवें दिन आठवें दिन की भाँति आहार लें। तेरहवें दिन अग्रिम ऋतु का सम्पूर्ण आहार करें। चौदहवें दिन आठवें दिन की भाँति आहार लें। उसके आगे अग्रिम ऋतु का ही आहार करें इस प्रकार आहार- व्यवस्था के प्रति सावधनी बरतने से ऋतुसन्धि के नकारत्मक प्रभाव से बचा जा सकेगा।

शाक-सब्जियों व फलों में :- चौलाई ,पालक ,लौकी , तोरई ,फूलगोभी, सोया, मूली,ऑवला,सेम आदि को लिया जा सकता है। अनार मुन्नका, कमलगट्टा आदि हितकारी होते हैं। इस ऋतु में खजूर का सेवन भी उपयोगी माना गया हैं।

जल पान:- शरद ऋतु में मात्रापूर्वक जल का सेवन करना चाहिए। सम्भव हो तो दिन के समय सूर्य की किरणों में तथा रात्रि के समय चन्द्र की किरणों से भीगे हुए जल कर सेवन करना चाहिए। यह जल शरीर को आरोग्यता प्रदान करने में सक्षम माना गया है। अतः इसे अमृततुल्य कहा गया हैं। इस ऋतु में कुपित पित्त को शान्त करने के लिए विरेचन एंव दूषित रक्त को शुद्ध करने हेतु रक्त मोक्षण की चिकित्सा करनी चाहिए।

अपथ्य आहार -विहार:- शरद ऋतु में पित्त कुपित रहता हैं, अतः पित्त प्रकुपित करने वाल पदार्थ यथा तले -भुने ,नमकीन,चटपटे उष्ण, मिर्च -मसाले,खटाई,अण्डा मांस -भक्षण,मद्यपान आदि से जितना हो सके बचना चाहिए साथ ही लहसुन करेला, सौफ ,हींग उड़द कली मिर्च आदि का सेवन हानिकारक है। इसें अतिरिक्त क्षार द्रव्य तेज मादक द्रव्य अम्ल युक्त द्रव्य लक्षण द्रव्य एंव कटु द्रव्यों का सेवन भी शरद ऋतु के अनुकूल नहीं बताया गया हैं। इस समय अधिक धूप का सेवन भी अनुपयुक्त हैं। इससे रक्त सम्बन्धित रोग,त्वचा रोग उत्पन्न होने का खतरा रहता हैं। अधिक व्यायाम भी हानिप्रद है। संयम के साथ शरद ऋतु की सुन्दरता का आनन्द उठायेंगे तो इसके कुप्रभावों से आसानी से बच जायेगें।

हिमवन्ती की बात

छोटे व्यापारियों को राहत की आवश्यकता

छोटे और मध्यम उद्योग कारोबार का देश के औद्योगिक उत्पादन में 40 फीसदी तथा निर्यात में करीब 40 प्रतिशत योगदान है। लेकिन विश्व में आई औद्योगिक सुस्ती के कारण अधिकांश इकाईयाँ परेशानियों से जूझ रही हैं। इस समय आर्थिक सुस्ती से जो इन सुक्ष्म, लघु और मंझोले कारोबारियों द्वारा सरकार से बड़ी रियायत की अपेक्षा की जा रही है। इन छोटे कारोबारियों का मानना है कि छोटे उद्योगों को विभिन्न श्रेणियों में बांटकर तत्काल राहत मुहैया कराई जाए। अभी तक देश में विनिर्माण और सेवा क्षेत्र दो ही श्रेणियां हैं। इससे बदहाल उद्योगों की पहचान करना मुश्किल है इसीलिए छोटे उद्यमी व कारोबारी चाहते हैं कि उन्हें कई श्रेणियों में बांटा जाए ताकि दिक्कतों का समाधान हो सके। विभिन्न सेक्टरों में बंट जाने पर ही छोटे उद्यमी व कारोबारी जीएसटी रिफंड के साथ दूसरी रियायतें भी पा सकेंगे।

यदि छोटे और मंझले उद्योगों को श्रेणीबद्ध कर दिया जाए तो इससे उनकी आर्थिक सूझबूझ बढ़ेगी और क्रेडिट प्रभाव में भी सुधार होगा। देश की जीडीपी में छोटे और मध्यम कारोबार का हिस्सा लगभग 30 प्रतिशत है और इसके अन्तर्गत साढ़े 6 करोड़ इकाईयाँ आती हैं जो 15 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मुहैया करा रही हैं। यदि इस क्षेत्र को सरकार अकेले पाँच वर्षो में रियायत दे देती है तो उनकी भागीदारी 50 प्रतिशत तक पहुँच सकती है। पूरे विश्व में ही आर्थिक मंदी के चलते छोटे उद्योगों की अधिकांश इकाईयाँ महंगे कर्ज़ बिजली समस्या, उत्पादित माल की मांग में कमी, खरीदारों से भुगतान भुगतने, टैक्सेशन, कर सम्बन्धी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बड़े उद्योग और बड़े उद्यमी छोटे उद्यमियों पर भारी पड़ रहे हैं और उन्हें फलने–फूलने नहीं देना चाहते।

वैश्विक मंदी के इस दौर में सरकार को छोटी व मध्यम इकाईयों के कारोबार के लिए मदद देनी ही होगी तभी देश की वित्तीय और औद्योगिक संस्थाओं को मजबूती मिलेगी। नौकरशाही का अनावश्यक हस्तक्षेप भी इन उद्योगों के लिए स्पीड ब्रेकर का काम करता है इसलिए नौकरशाही का हस्तक्षेप कम करना होगा तथा जो सरकार इन उद्योगों के लिए सुधार कर रही है, उन्हें जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए और ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। सरकार को छोटे कारोबारियों को प्रोत्साहित करने के लिए और उनकी स्थिति में सुधार लाने के लिए अन्वेषण व डवल्पमेंट पर भी काफी ध्यान देना होगा जिससे नित नई रिसर्च का फायदा छोटे उद्योगपति भी उठा सकें। वित्त मंत्रालय को भी इन छोटे उद्योगपतियों को सस्ती दरों पर कर्ज़ दिये जाने की आवश्यकता है। तभी सूक्ष्म छोटी और मध्यम इकाईयां आर्थिक सुस्ती के दौर से बाहर निकल पायेंगी। अगर सरकार ने तत्काल इन समस्याओं का निदान नहीं किया तो वह दिन दूर नहीं जब छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए समस्या और बढ़ जायेगी तथा उनके अस्तित्व पर भी प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यदि सरकार वास्तव में छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ाना चाहती है तो उसे उनके उत्थान के लिए तुरन्त जहाँ कारगर कदम उठाने पड़ेंगे तभी छोटे और मंझोले उद्योग अपना अस्तित्व बचाने में कामयाब हो पायेंगे और देश की प्रगति में अपनी भूमिका अदा कर सकेंगे।

– अरविन्द गोयल

पच्छाद में 13 मतदान केन्द्र संवेदनशील घोषित

नाहन (प्रे.वि). सिरमौर जिला के 55–पच्छाद (अनुसूचित जाति) निर्वाचन क्षेत्र में 21 अक्तूबर, 2019 को होने वाले चुनाव के लिए कुल 113 मतदान केन्द्रों में से 13 मतदान केन्द्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है। यह जानकारी आज यहां जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सिरमौर डॉ. आर.के. परूथी ने दी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि यह निर्णय भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप लिया गया है। डॉ. आर.के. परूथी ने कहा कि पच्छाद विधानसभा क्षेत्र में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धर्मपुर में स्थापित मतदान केन्द्र 55/4–टाली भुज्जल, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सनौरा में स्थापित मतदान केन्द्र 55/12–सनौरा, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जदोल टपरोली में स्थापित मतदान केन्द्र 55/16–जदोल टपरोली, राजकीय प्राथमिक विद्यालय राजगढ़ में स्थापित मतदान केन्द्र 55/33–राजगढ़–1, राजकीय प्राथमिक विद्यालय लाना मछेर में स्थापित मतदान केन्द्र 55/55–लाना मछेर, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मानगढ़ में स्थापित मतदान केन्द्र 55/60–मानगढ़, पंचायत भवन नारग में स्थापित मतदान केन्द्र 55/72–नारग–1, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नारग में स्थापित मतदान केन्द्र 55/73–नारग–2, पंचायत भवन डिलमन में स्थापित मतदान केन्द्र 55/87– डिलमन, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नैना टिक्कर में स्थापित मतदान केन्द्र 55/90–नैना टिक्कर, राजकीय प्राथमिक पाठशाला महल प्रीत नगर में स्थापित मतदान केन्द्र 55/95–महल प्रीत नगर, पंचायत भवन रजयूं (जामन की सेर) में स्थापित मतदान केन्द्र 55/102–द्रंग तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय रजयूं मलाणा में स्थापित मतदान केन्द्र 55/103– रजयूं मलाणा को संवेदनशील घोषित किया गया है।

वनस्पति चर्चा

नित्य सेव्या हरि हरीत की

पं.गौरी प्रसाद
पूर्व मंत्री

आयुर्वेद के ग्रन्थों में हरीतकी (हरड़) को माता की संज्ञा दी गयी है। यह ही हरड़ का महत्व है। यह सूचित करता है कि हरड़ विशेष लाभकारी वृक्ष हैं ऐसी दिव्य औषधि के सम्बन्ध में सर्व साधारण को जानकारी अवश्य है भारतवर्ष के कई प्रांतों गुजरात इत्यादि में यह कहावत है कि स्वस्थ को हरड़ और रोगी को उपवास जो निरोगी है उसे नित्य हरड़ का सेवन करना चाहिए ताकि उस को रोग न हो सके। एक सूत्र निम्न है नित्य सेव्या हरि हरीतकी अर्थात हरि (ईश्वर) तथा हरीत ही नित्य सेवन करने योग्य है कहने का तात्पर्य यह है कि नित्य हरड़ और हरि के नित्य सेवन से शारीरिक तथा मानसिक दोनों प्रकार के दोषों का शमन होता है। हरड़ की विविध जातियों का वर्णन है हरडा वात–पित कफ तीनों दोषों का शमन करती है– इसके विभिन्न नाम भी हैं।

शिवा– वयस्था– अमृता– हेमवती– चेतकी– श्रेयसी– विजय नीवंति रोहणी– पथ्या आदि।

हरीतकी भारत के प्रत्येक प्रदेशों में पैदा होती है इस का पेड़ मध्यम आकार होने के कारण 50–60 वर्षो की वयस्कता को पंहुच जाता है और 40–50 फुट ऊंचा होता है। पूर्णायु को पंहुचने पर हरड़ के पेड़ की लकड़ी पीले रंग से लाल रंग की हो जाती है यह वढ़ई के काम के लिए भी घने रेशे वाली लकड़ी होती है– सुरोप और अमरीका जैसे देश भारत से काफी मात्रा में इसका आयात करते हैं इस तरह का पेड़ उत्साहजनक फोनर एक्सचेंज कमाने में लाभदायक होता है। हरड़ का पेड़ निकट लगाने पर गोल छतरीनुमा सुन्दर दिखता हैं गर्म ऋतु में इसकी छाया घनी और ठंडक पंहुचाने वाला होता है। पशुओं को चारे की कमी के होने पर इस के पते चारे के काम आते हैं इसके पौधों को प्राइवेट नर्सरी तथा सरकारी नर्सरी से भी प्राप्त किया जा सकता है।

हरड़ का रसायनिक संगठन इस प्रकार है:–

हरड़ में टेनिक एसिड 45 प्रतिशत गेलिक एसिड स्निग्ध

द्रव्य तथा भूरा पीत वर्ण का येवुलिनिक एसिड होता है–हरीतकी की सात जातियां होती है।

1. विजय, 2 रोहिणी, 3 पूतना, 4 अमृता, 5 अभय, 6 जीवन्ति, 7 चेतकी।

हरीतकी के गुण दोष:– यह लघु रूक्षा है हरड़ में लवण के अतिरिक्त पांच रस हैं तथा कषायरस इसका प्रधान रस है विपाक मधुर यह अत्यन्त उष्ण वीर्य द्रव्य है निर्दोष नाशक होते हुए बातहर ही अधिक है। हरड़ का लेप रोगहर है यह प्रण शोधन रोपण करती है यही स्नायु संस्थान को बल देती है यह मेघा स्मरण शक्ति बढ़ाने वाला द्रव्य है। चक्षु को बल देती है जठराणि को प्रदीपन करती है। हरड़ पाचक होते हुए वायु का अनुलोमन करती है। यह प्रजा स्थापना मुत्रत्व तथा श्रेष्ठ रसायन औषधि है।

हरीतकी का प्रयोग:– अग्निमांद्य –आनाहशूल गैस कामला विविध कब्ज उवररोग आदि यकृत लोहा के रोग तथा कृमि रोग में लाभदायक है। गृहणि रोग में हरड़ उबाल कर देने से विशेष लाभ करती है हरड़ कुष्ट को नष्ट करती है। सर्दी जुकाम–हिचकी खांसी श्वेत प्रदर–प्रमेह मूत्रविकार गर्भाशय के दौर्वल्य त्वचा रोग रक्त विकार में भी लाभदायक है।

हरीत की ऋतु के अनुसार प्रयोग इस प्रकार है:–

वर्षा ऋतु में सैंधव लवण के साथ– शरद् ऋतु में शंकर के साथ हेमंत ऋतु में सौंठ के साथ शिशर ऋतु में पिघालकर मघा के साथ बंसत ऋतु में शहद के साथ ग्रीष्म ऋतु में गुड़ के साथ हरीतकी का नित्य सेवन करना चाहिए।

हरीतकी के निम्नयोग हैं जिनका प्रयोग सफलतापूर्वक किया जाता है मोदक अभयआदि अभयरिष्टए पथ्यादिवटी।

पथ्यादि काथ–हरीतकी का प्रयोग कब और किन को नहीं करना चाहिए। गर्भावस्था –ऋतुकाल में अतिकृश व्यक्ति को अतिरूक्ष व्यक्ति को नहीं करना चाहिए– हरड़ नवजट हनुस्तम्भ रोग में भी प्रयोग नहीं करनी चाहिए।

हरड़ का सेवन कैसे करना चाहिए:–हरड़ के टुकड़े करके चबाकर खाने से जठसन्बि प्रदीप्त होती है– मुख पांक में लाभकारी हैं–दांत मसूड़े को मज़बूत करती हैं मसूड़ों के रोगों को दूर करती है तथा पाचन कार्य को सुधारती है हरड़ का बारीक चूर्ण लेने से मल शुद्धि होती है अल्पमात्रा में योग्य अनुमान लेने पर रसायन कार्य करती है। आयुष्य की वृद्धि करती है। हरड़ को उबालकर लेने से मल को रोकती है तथा संग्रहणी का शमन करती है हरड़ एरण्ड तेल में भून कर लेने से बायं का अनुलोमन करती है। पेट के रोग गैस तथा तीनों दोषों का शमन करती है हरड़ को भोजन के बाद लेने पर अम्लपित में लाभ होता है। हरड़ को सैंधव लवण के लेने पर कफ का नाश होता है। शक्कर के साथ लेने में लाभकारी है। हरड़ अन्य रोचक परिवहन मंत्री किशन कपूर, उद्योग मंत्री किशोरी लाल और आयुर्वेद मंत्री मोहन लाल औषधियों के समान कच्चा मल प्रकृत नहीं करती है। यह तो केवल मल शुद्धि ही करती है अत: हरड़ विसेवन नहीं है जो आहार लिया हो उसका पाचन करके कचरा ही शरीर से निकलता है। इसके प्रयोग करने से मनुष्य आदि नहीं होता यदि आदत हो भी जाये तो तम्बाकु पान मसाला–धुम्रपान गुटका की आदत से स्वास्थ्य के लिए बेहद उपयोगी है।

हड्डियों के लिए मुसीबत है चाय की लत

सही है कि अति किसी भी चीज की दुखदाई ही होती है। अगर हर आधे घंटे में चाय का प्याला हाथ में लेकर सिप लेना आपकी आदत है तो सतर्क हो जाइए। विशेषज्ञ के अनुसार लम्बे समय तक रोज कई सारे कप चाय के पीने से आपकी हड्डियों को खतरा हो सकता है।

चाय की लत को लोग अलग–अलग पैमाने पर भी मापते हैं। कोई दिनभर में 4–5 कप से ज्यादा चाय पीने को गलत कहता है तो कोई दिन में 10 कप तक को जायज ठहराता है। इस सन्दर्भ में सबसे खास बात यह है कि चाय के इंटेक का असर चाय की क्वालिटी, पीने वाले के शरीर और जेनेटिक्स की स्थिति, चाय का समय और चाय बनाने के तरीके आदि पर निर्भर करता है।

ऐसे में किसी एक कारण को ही किसी तकलीफ के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता लेकिन यह भी सच है कि दूध, चीनी से बनी पारम्परिक चाय का लगातार, बड़े पैमाने पर किया गया सेवन शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है। वहीं भूख मिटाने के लिए खाली पेट या खाने के तुरन्त बाद पी गई ढेर सारी मीठी चाय भी सेहत के लिए बुरी साबित हो सकती है।

हड्डियों की सेहत और चाय– हमारा खान–पान शरीर को पोषण देता है लेकिन जो असंतुलित खाद्य हम शरीर में पहुंचाते हैं। वह कई तरह से नुकसान कर सकता है। यह नुकसान त्वरित और अस्थाई से लेकर लम्बे समय में सामने आने वाला और गंभीर तकलीफ देने वाला भी हो सकता है। चाय से हड्डियों को पहुंचने वाला नुकसान लम्बे समय में सामने आने वाला और ध्यान न देने पर गंभीर रूप लेने वाला भी हो सकता है। खासतौर पर चायमें उपस्थित फ्लोराइड नामक खुनिज हड्डियों के लिए बड़ा खतरा हो सकता है। फ्लोराइड की बहुत ज्यादा मात्रा हड्डियों में स्केलेटल फ्लोसिस होने की आशंका बढ़ा सकती है।

अर्थराइटिस जैसी दिखने वाली यह बीमारी हड्डियों में दर्द पैदा कर देती है। इससे कमर, हाथ पैरों में तथा जोड़ों के दर्द की शिकायत हो जाती है। एक खनिज होने के नाते फ्लोराइड की सामान्य मात्रा दांतों के लिए फायदेमंद होती है और चाय के अलावा यह पीने के पानी से भी प्राप्त हो सकता है लेकिन इसकी जरूररत से ज्यदा मात्रा नुकसानदायक हो सकती है।

यह उपाय हो सकते हैं लाभदायक–चाय की मात्रा में कंट्रोल करें। अति से बचें।

–कोशिश करें कि सामान्य चाय की जगह ग्रीन टी, हर्बल टी आदि पींए।– खाने के तुरन्त बाद या पहले और खाली पेट चाय पीने से बचें। –चाय पीने के बाद कुल्ला करें। **(साभार नई दुनिया)**

सड़कों पर पशु छोडने पर पशु पालको को देना होगा जुर्माना-प्रियका वर्मा

नाहन (प्रे.वि). जिला सिरमौर में सड़कों पर पशु छोड़ने वाले पशु पालकों को नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी तथा पंचायत सचिव द्वारा पशुओं को पकड़ने पर जुर्माना देकर अपने पशु छुड़ाने होंगे।

यह जानकारी अतिरिक्त उपायुक्त सिरमौर प्रियका वर्मा ने जिला स्तरीय समनव्य समिति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा पशुपालकों से बार–बार अपील करने पर भी सड़कों पर मवेशियों की कमी नहीं हो रही है, जिसमें नाहन, पांवटा साहिब तथा कालाअंब आदि क्षेत्रों में यह समस्या आम हो गई है। जिससे सड़कों पर दुर्घटना की समस्या हमेशा बनी रहती है।

इस बैठक में सहायक निदेशक नीरू शबनम ने बताया कि जिला सिरमौर आवार पशुओं की समस्या से निजात पाने के लिए अभी लगभग आठ गौंशाला कार्यरत है जिसमें से 400 से अधिक आवारा पशुओं को रखा जा रहा है और अभी भी पूरे जिला में 500 से ज्यादा आवारा पशु सड़कों पर घुम रहे है। यह तादाद दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जिसके मध्यनजर हर दस पंचायतों के लिए एक गौंशाला का निर्माण किए जाना प्रस्तावित है। उन्होंने अधिकारियों को गौशाला निर्माण के लिए शीघ्र ही स्थान चिन्हित कर गौंशाला निर्माण करने के निर्देश दिए।

डॉ. नीना सबलोक सन फार्मा उद्योग पांवटा साहिब द्वारा उत्तम कार्य व समाजसेवा में अग्रणी रहने तथा 25 वर्ष पूर्ण करने पर ध्याड़ विजेशी चंडीगढ़ द्वारा पुरस्कृत होते हुए।

पीरन स्कूल में आपदा से निपटने के लिए बच्चों को मॉक ड्रिल के माध्यम से दी जानकारी

राजगढ़ (चौहान) राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पीरन में गत दिवस बच्चों को आपदा प्रबंधन के बारे जानकारी देने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, बाढ़, ग्लेशियर टूटना, भू–स्खलन होने के अतिरिक्त आगजनी, पानी में डूबना, रोड़ दुर्घटनाओं के बारे मॉक ड्रिल के माध्यम से व्यवहारिक जानकारी दी गई।

स्कूल के प्रधानाचार्य महेश शर्मा ने बताया कि आपदा का कोई निर्धारित समय नहीं होता परन्तु हर व्यक्ति को आपदा से निपटने के लिए मानसिक तौर पर हमेशा तैयार रहना चाहिए।

उन्होने बताया कि पाठशाला में आपदा प्रबंधन पर नारा लेखन और निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें नारा लेखन में सातवी कक्षा ध्रुव ने प्रथम, आठवी कक्षा की छात्र श्रेया मेहता ने द्वितीय और सातवीं कक्षा की पलक ठाकुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार निबंध प्रतियोगिता में दस जमा एक की छात्रा ज्योतिका ने प्रथम, जमा दो की छात्रा अमृता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस दौरान प्रवक्ता देविन्दा चौहान, राजेन्द्र नेगी, शीला शर्मा, निशा, इंद्रा सहित स्थानीय लोगों ने मॉक ड्रिल में सहयोग किया।

हिमाचल के धर्मशाला व पच्छाद के उप-चुनाव के लिए 21 अक्तूबर को राजपत्रित अवकाश घोषित

शिमला (प्रे.वि). प्रदेश सरकार ने हिमाचल के केवल 18–धर्मशाला व 55–पच्छाद (अ.जा.) विधान सभाओं के पंजीकृत मतदाताओं के लिए 21 अक्तूबर, 2019 (सोमवार) को मतदान के दिन राजपत्रित अवकाश घोषित किया है। यह राजपत्रित अवकाश हिमाचल प्रदेश के 18–धर्मशाला व 55–पच्छाद के लिए वहां हो रहे उप–चुनावों के संदर्भ में घोषित किया गया है।

यह अवकाश हिमाचल प्रदेश में स्थित सभी सरकारी/गैर सरकारी कर्मचारियों और बोर्ड, निगम व शैक्षणिक संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों एवं औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत, हिमाचल के पंजी त मतदाताओं को उनके मतदान के अधिकार का उपयोग करने के लिए किया गया है। यह अवकाश नैगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट 1881 की धारा–25 के अंतर्गत विशेष संवेतनिक अवकाश होगा तथा यह प्रावधान दैनिक भोगी कर्मचारियों के लिए भी लागू होगा।

आरटीआई फैडरेशन की बैठक

पांवटा (हिका). स्थानीय लोक निर्माण विश्राम गृह में आरटीआई फैडरेशन पांवटा की बैठक आयोजित की गई जिसमें आरटीआई के स्थापना दिवस को मनाने के लिए चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता एन.डी.सरीन द्वारा की गई जिसमें सर्वसम्मति से निम्नलिखित विषयों पर चर्चा हुई जिसमें एन.एन.खत्री ने बताया कि आरटीआई पहला ऐसा कानून है जो देश की जनता के लिए बना जबकि अन्य कानून जनता को दबाने के लिए बनाए जाते हैं। यह वास्तव में आम नागरिकों के अधिकारो की रक्षा करता है। बैठक में सभी ने सर्वसम्मति से फैसला लिया कि आरटीआई कानून को अधिक से अधिक प्रभावी बनाया जाये क्योंकि यह कानून भ्रष्टाचार को समाप्त करने का मुख्य साधन है। इतना ही नहीं यह कानून अफसरशाही पर नकेल कसने का कार्य भी करता है।

इस बैठक में सभी सदस्यों ने कहा कि हिमाचल सरकार आरटीआई कानून में अन्य तीन–चार राज्यों की तरह कुछ बदलाव करने जा रही है इस बदलाव के तहत ऑनलाईन आरटीआई कार्यकर्ता आरटीआई के माध्यम से सूचना प्राप्त कर सकें। क्योंकि छोटी रकम के पोस्टल आर्डर मिलने में समस्या आ रही है। संस्था ने कहा कि आरटीआई कार्यकर्ता को ऑन लाईन सूचना के साथ–साथ पहले की तरह सूचना भी उपलब्ध करवाई जाए। आरटीआई कार्यकर्ता को सुरक्षा प्रदान की जाये क्योंकि आजकल प्रदेश तथा देश में आरटीआई कार्यकर्ताओं पर हमले, धमकियों की संख्या भी बहुत ज्यादा ज्यादा हो गई है। बैठक में उपस्थित सदस्यों में एन.डी. सरीन, एन.एन. खत्री, मदल लाल गुप्ता, एम.एस.कैंथ, एम.एस.भटनागर, सी.एम.मधुर, एस.एल.मेहत्रा, विजय गोयल, के.सी.नागपाल, पी.सी.सैनी, हरशरण शर्मा आदि मौजूद थे। इस मौके पर सभी उपस्थितजनों को जलपान भी कराया गया।

आओ आज घड़े पर सेमियाँ बनाएँ और विशेष स्वाद पाएँ

–नगिना

यद्यपि आजकल सभी कुछ रेडीमेड मिलता है किंतु अपने हाथों से बने पदार्थों की तो बात ही कुछ और होती है । भले ही आधुनिकता में गाँवों में भी अब लिफाफा बंद सेमियाँ खाई जाने लगी हैं किंतु खुद घड़े पर तैयार की गई सिवणियों द्ध सेमियों ऋ का मुकाबला भला कहाँ हो सकता है ।

इन्हें बनाने के लिए पहले आटे को कपड़ छाण (कपड़े मे छानना) किया जाता है और तब बहुत सख्ती से गूँथा जाता है । तब इसे तेलण की सी शक्ल में साफ-सुथरे घड़े पर (उल्टा करके) रखकर दोनों हाथों से एक साथ बराबर मसलते हुए नीचे उतारा जाता है । यह महिला की कुशलता पर निर्भर करता है कि वह कितने बारीकी से धागे की तरह नीचे उतारती है । आटा घड़े से न चिपके, इसके लिए बीच-बीच में हाथों मे हल्का सा घी लगाया जाता है ।

नीचे उतरने के बाद छोटी ढेरी बन जाने पर कोई अन्य महिला इसे दोनों तरफ से तोड़कर दोनों धागों को एक साथ बराबर उठाते हुए अपने दूसरे हाथ की उँगलियों पर कंघी के आकार में लगाती हैं और तब इन कंघियों को परात आदि की टीर (किनारे) पर रखकर हल्का सा सुखाने के बाद वहाँ से उतारकर धूप में किसी बर्तन में अथवा कपड़े पर सुखाती हैं ।

बस, सुखाने के बाद अब तैयार हैं ये सिवणियाँ । चाहो तो दूध में उबालकर अभीष्ट मात्रा में मीठा डालकर खा लो,दूध के अभाव में पानी में ही उबालने के बाद शक्कर- घी से आनंद लो या फिर स्वेच्छा से घी में भूनकर तब चासनी के साथ पकाकर रसास्वादन करो और चाहो तो नमकीन भी बना लो। सुखाने के बाद ये खराब नहीं होती और तब सुरक्षित रखकर यथावसर मेहमानों की आवभगत कर लो । इनका केवल स्वाद ही अलग नहीं होता अपितु पौष्टिकता भी बाजारू सेमियों से कहीं अधिक होती है ।

इन्हें प्राय: इसी महीने अर्थात् आश्विन मास में बनाया जाता है । घड़े की छन-छन और चूड़ियों की खनखनाहट के बीच लोक संगीत अथवा महिलाओं के पारस्परिक हास-परिहास के मध्य तैयार इन सेमियों का स्वाद भी चखते ही बनता है ।

फीकी रही शरद् महोत्सव की पहली सांस्कृतिक सन्ध्या'

– ओम प्रकाश 'राही' की रपट

पांवटा , गुरु नगरी पाँवटा साहिब में पिछले लगभग पैंतीस – चालीस वर्षों से मनाए जा रहे 'यमुना शरद् महोत्सव' को पिछले वर्ष मुख्यमंत्री महोदय की घोषणा के परिणाम स्वरूप इस वर्ष पहली बार राज्य स्तरीय रूप में मनाए जाने से इसका रुतबा तो बढ़ा किंतु तदनुरूप स्वरूप बढ़ता नजर नहीं आया ।

पिछले कल एक स्थानीय चैनल ने मंच व्यवस्था, खेल कूद प्रतियोगिता तथा निमंत्रण पत्र को लेकर उभरी कुछ खामियों को सप्रमाण उजागर भी किया था ।इसी क्रम में महोत्सव की पहली सांस्कृतिक सन्ध्या भी आशानुरूप प्रभाव नहीं छोड़ पाई बल्कि दर्शकों को निराश ही अधिक कर गई ।

गत वर्षों की अपेक्षा दर्शकों की न्यूनता भी समझ नहीं आई और उपस्थित दर्शकों को बाँध पाने अथवा बहुत अधिक प्रभावित करने में कलाकार भी आशानुरूप सफल नहीं हो सके, यद्यपि पांडाल की भव्यता,बैठने व प्रकाश आदि की व्यवस्था जरूर सराहनीय रही ।

मुख्य अतिथि को पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन के साथ समारोह स्थल तक लाये जाने उपरांत दीप प्रज्वलन की प्रक्रिया में पंडित जी को माइक न दिये जाने से वे केवल 'उपांशु जाप' करते ही नजर आए और इस मध्य चार–पाँच मिनट का मंचीय मौन पांडाल में बैठे दर्शकों में खलबली पैदा कर गया ।

इसी क्रम में मुख्य अतिथि को सिरमौर की शान व पहचान लोक संस्कृति के परिचायक 'लोईया' (जिसे पूर्व जिलाधीश ललित जैन की अच्छी शुरुआत के बाद अब जिला प्रशासन विश्व पटल पर लाने को प्रयत्नशील है) से सम्मानित करते समय का मंचीय गौन भी बेहद अखरा। कितना अच्छा होता यदि संचालक या उद्घोषक इस समय इसकी (लोईया) विशेषताओं से परिचित करा रहे होते ।ऐसा करने से जन साधारण को इसकी विशेषताओं का पता भी चलता और मंचीय शून्यता का अभाव भी न अखरता । खैर....

भाषा की क्लिष्टता की ओर ध्यान न दिया जाये तो राजस्थानी नृत्य ने दर्शकों को जरूर लुभाया । सात घड़ेंको सिर पर उठाए समग्र संतुलन के साथ किया गया नृत्य जरूर दाँतों तले उँगली दबाने को मजबूर कर गया,बाकी कलाकार दर्शकों की कसौटी पर बहुत अधिक खरे नहीं उतर सके ।इसी कारण संभवत: लोगों ने जल्दी वापिस जाना शुरु कर दिया और रात नौ बजे पांडाल काफी खाली हो गया जिसे यह नौ बजे का चित्र स्वयं दिखा रहा है। आशा की जानी चाहिए शेष दो सन्ध्याएँ दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेंगी ।

बेहतरीन प्रस्तुति विशुद्ध लोक संस्कृति की शानदार झलक

पांवटा, सांस्कृतिक संध्याओं में सांस्कृतिक गतिविधियों के नाम पर अब जबकि अधिकांशत: फूहड़ता के ही दर्शन होने लगे हैं, ऐसी स्थिति में 'यमुना शरद् महोत्सव' की दूसरी संध्या में राजकीय महाविद्यालय शिलाई के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत लोकनृत्य में विशुद्ध लोक संस्कृति की शानदार झलक देखकर मन प्रफुल्लित हो उठा ।

करनाल, शहनाई, हुलक,दमामु जैसे पारम्परिक लोक वाद्यों, चोलणा, सूथण, ढाटू आदि परिधानों तथा ठेठ लोकगीतों के साथ रासा,नाटी,मुजरा,गंगी,झूरी आदि विधाओं से सुसज्जित प्रस्तुति ने सचमुच दर्शकों का मन मोह लिया ।

संभवत: यह एकमात्र प्रस्तुति थी जिसमें 'आयाराम गयाराम' की स्थिति न होकर कलाकारों को पूरा समय दिया गया । अन्यथा कुछ कलाकार तो एक-दो मिनट में ही दो-चार पंक्तियाँ गाकर मंच से हटते रहे।

वैसे भी समझ नहीं आता कि कलाकार गीत सिरमौरी अथवा हिमाचली गा रहा होता है, परिधान मुंवइया पहनता है और वाद्य भी पश्चिमी। किंतु इन सबसे बचते हुए इस प्रस्तुति ने अपनी मौलिकता को बनाए रखा । ढोलक की गजब की थाप और नर्तकों की अनूठी छाप से संवलित इस प्रस्तुति को सच्चे अर्थों में लोक संस्कृति का परिचायक माना जा सकता है ।

कारावास के दिन सादे और अनुभव

बाबा ज्वाला सिंह

शेरजंग
अनुवादक : निर्मला शेरजंग

प्रसिद्ध क्रांतिकारी व हिमाचल के शेर के नाम से विख्यात शेरजंग जो ज़िला सिरमौर से ताल्लुक रखते थे, इस महान् हस्ती ने सिरमौर का नाम पूरे देश में ऊँचा किया और यह परिवार आज भी उनके पौत्र मशहूर निशानेबाज समरेश जंग के रूप में सिरमौर का नाम पूरे विश्व में ऊँचा कर रहा है । उनके द्वारा अंग्रेजी में लिखित "द्रिस्ट विथ टाईगर" नामक पुस्तक का हिन्दी में रूपान्तर "शेरों से मेरी मुलाकातें" तथा 'मैं घुम्मकड़ वनों का' उन्ही की भार्या प्रख्यात शिक्षाविद् व लेखिका निर्मला शेरजंग द्वारा किया गया तथा 'हिमवन्ती' समाचार में क्रमवार छपे शेरजंग की इस विश्व प्रसिद्ध पुस्तक के अंशों को पाठक पढ़ भी चुके हैं ।

इसी श्रृंखला में एक अन्य पुस्तक 'कारावास के दिन' भी हम अपने पाठकों के सम्मुख प्रस्तुत करने जा रहे हैं । आशा है पाठकगण हमारे इस प्रयास की सराहना करेंगे और यह हमारी ओर से शेरजंग व उनकी पत्नी निर्मला शेरजंग को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी । –सम्पादक

"तुम पहले जा रहे हो, मेरे बेटे। जाना मुझे चाहिए था, तुम्हे नहीं।" यह कहते हुए वह आलस्यभरी चाल से धीरे–धीरे, अनमने मन से मेरे कक्ष से चले गए।

दरवाजे के पास खड़ा जेल–अध्यक्ष उनसे बात करना चाहाता था, किन्तु उन्होंने उसकी ओर ऐसी उपेक्षा भरी नज़र से देखा कि वह वहीं–का वहीं ही ठिठक गया जैसे किसी ने उसके सिर पर गहरी चोट मार दी हो। वह उलझन में पड़ गया, उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। उलझन से उसे निकालने में मैंने उसकी सहायता की–पैर मारकर घड़ा फोड़ दिया।

मेरे इस प्रमत व्यवहार से वह स्तब्ध रह गया, बधिया किए हुए कुत्ते की तरह वह निस्सहाय खड़ा रहा। वह अभी असमंजस में ही था कि एक और धमाका सुनाई दिया और बरतन टूटने की आवाज़ ने उसे चौंका दिया। धमाके की वह आवाज़ बाबा ज्वाला सिंह की कोठरी से आई थी, उन्होंने अपने घड़े को कक्ष की सलाखों पर मारकर टुकड़े–टुकड़े कर दिया था।। उस मिट्टी के बर्तन के टूटने की आवाज़ गुस्से से भरपूर थी, उसमें बाइबल के एक पद्य की गूँज थी–"वे जो ऊँचे वैभवयुक्त नगरों में रहते हैं, भगवान उन्हे नीचे धरती पर लिटा देता है और धूल में मिटा देता है।"

भीषण गरमी का दिन बीत गया और उसके साथ जेलर, कोठरी, प्यास की पीड़ा और सारा भद्दा संसार विलुप्त हो गया। मुझे जब होश आया (वह दिन का समय था या रात का) मुझे दस–बाहर पुष्ट आदमियों ने जोर से दबा रखा था और मेरी नाक में एक रबर की नली घुसा रखी थी। उसके द्वारा मेरे पेट में गिलास के बाद गिलास ठंडा पानी डाला जा रहा था। मैं लाचार था, नि:सहाय था, बिलकुल अंधा हो चुका था और आवाज़ भी गायब थी, लगभग सारे शरीर को लकवा मारे हुए था–उस पर बलपूर्वक खिलाने की पीड़ा।

दो दिन तक मुझे दो–दो घंटे बाद ग्लूकोज मिलाकर बलपूर्वक पानी पिलाया गया और इसी पगकार बाबा ज्वाला सिंह को भी पानी पिलाया गया। तत्पश्चात् बलपूर्वक खिलाने की प्रक्रिया दिन में दो बार, सुबह और शाम दोहराई जाती थी। यह प्रक्रिया बहुत ही पीड़ाजनक थी। वे जब नली को मेरे कंठ में घहूँचाने के लिए उसे मेरे नाक में घुसाते, मेरी नाक से खून बहने लगता था। उस नली ने नाक के पिछले भाग में घाव कर दिए थे, प्रत्येक बार जब नली नाक में घुसाई जाती थी, जख्मों पर रगड़ लगती थी और खूब बहने लगता था।

बलपूर्वक खिलाने की प्रक्रिया को मैं दृढ़निश्चय से रोकने की कोशिश करता था मेरे शरीर में न बल था, न सहनशक्ति। इसलिए उसे रोकने में असमर्थ रहता था। उनकी चेष्टाओं को विफल बनाने के लिए मैंने एक तरीका निकाला–मैं अपने कंठ की पेशियों को संकुचित करता था जिससे नली कंठ में जाने के स्थान पर गुँह से बाहर निकल आती थी और मैं उसे दाँतों के बीच दबा लेता था। इस प्रयास को विफल बनाने के लिए उन्होंने पहले नली को जोर से खींचने की कोशिश की और फिर उसे झटका दिया जिससे कि घावों में चोट लगे और मैं दर्द से विवश होकर नलिका को छोड़ दूँ। किन्तु जब वे इसमें सफल नहीं हुए तो उन्होंने एक नलिका के स्थान पर दो नलियों प्रयोग करनी शुरू की। जब मैं दाँतों से एक नली को पकड़ लेता था तो वे नाक के दूसरे छिद्र से दूसरी नली अंदर डाल देते थे। उसे पकड़ने के लिए मैं जैसे ही मुँह खोलता था, वह पहली नली के द्वारा मेरे कंठ में जल्दी से दूध डाल देते थे।

यह पीड़ाजनक प्रक्रिया दिन में दो बार, सुबह और शाम दोहराई जाती थी। बलपूर्वक खिलाने के लिए वे पानी में दूध भी मिलाने लगे और दूध की मात्रा धीरे–धीरे बढ़ाकर एक पाउंड कर दी गई। परन्तु इससे उनका उद्देश्य पूरा नहीं हुआ। उन्होंने मुझे जीवित तो रखा, पर मेरे स्वास्थ्य में सुधार नहीं कर पाए। नली की रगड़ से मेरे घावों से इतना खून बहता था कि खिलाना लगभग निरर्थक हो जाता था।

भूख हड़ताल और बलपूर्वक खिलाने का काम लगभग तीन महीने चलता रहा। जनता का प्रकोप दिनोदिन बढ़ता गया। हुकूमत ने जनता के प्रतिरोध की क्रोधाग्नि दबाने के लिए सभी प्रकार के कठोर कदम उठाने शुरू कर दिए, जैसे प्रतिरोध करने वालों को बंदी बनाना, गोलियाँ चलाना, जुर्माने लगाना, संपत्ति जब्त करना इत्यादि, परंतु हुकूमत अपने लक्ष्य में सफल नहीं हुई। न तो वह जेलों में पड़े भूख हड़तालियों के मनोबल को तोड़ सकी और जनता के बढ़ते प्रकोप को ही रोक पाई।

हिमाचल इंस्टीच्युट आफ फार्मेसी में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

पांवटा (प्रे.वि). पांवटा साहिब के रामपुरघाट में स्थित हिमाचल इस्टीच्यूट ऑफ फार्मेसी में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जन्मदिवस पर एक दिवसीय वर्कशाप का आयोजन किया गया जिसका शुभारम्भ डॉ. वी.के.गुप्ता चेयरमैन, डॉ. गौरव गुप्ता डायरेक्टर, एवं प्रधानाचार्या डॉ. उज्जवल नोटियाल द्वारा दीव प्रज्ज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर कालेज में बी.फार्मा प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को श्रीमती ईशा अध्यापिका द्वारा क्रोमेटोग्राफिक टैक्निक्स के अन्तर्गत टी.एल.सी.आर. पर प्रजेन्टेशन एवं प्रयोग करवाया गया। साथ ही डॉ. आलोक सैमवाल, एसोसिएट प्रोफेसर द्वारा एच.पी.एल पर प्रजेन्टेशन देकर विद्यार्थियों का ज्ञान बढ़ाया।

यही नहीं बी.फार्मा तृतीय वर्ष एवं चतुर्थ वर्ष में डॉ. रमनदीप द्वारा अल्टरनेटिव मैथडस ऑफ एक्सपैरिमेंटल एनिमल एवं श्रीमती प्रियंका भंडारी द्वारा रूट ऑफ ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन इन एनिमल पर प्रजेन्टेशन दिया गया एवं साफ्ट वियर के द्वारा छात्रों को एनिमलस हैंडलिंग के विषय में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के अन्त में सभी विद्यार्थियों को डॉ. उज्जवल नौटियाल ने आगे भी इसी तरह के डवल्पमेंट कार्यशाला चलाते रहने का आश्वासन दिया एवं सभी उपस्थित विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

माजरा थाना प्रभारी ने की व्यापार मंडल के साथ बैठक

पांवटा (ब्यूरो). जिला सिरमौर की माजरा पंचायत में थाना प्रभारी सेवा सिंह की अध्यक्षता में व्यापार मंडल माजरा के सहयोग से एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में एंटी थेफ्ट लॉक और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने पर आग्रह किया गया है। जिससे आपराधिक मामलों पर अंकुश लगाया जा सके।

माजरा बाजार में ट्रैफिक जाम से निजात पाने के लिए भी सलाह की गई। बैठक में व्यापारियों को दुकानों पर काम करने वाले नौकर व किराएदारों के वैरिफिकेशन करवाने को कहा गया है। यही नहीं मन्दिरों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने पर भी बैठक में चर्चा की गई। साथ ही बीच बाजार में लगी रेहड़ी वालों के लिए स्थान सुनिश्चित करने पर भी चर्चा की गई है।

बाजार में टेंपू स्टैंड के पास हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है जिससे पैदल यात्रियों को आने –वाली दिक्कतों को लेकर भी बैठक में चर्चा की गई। इस बारे युनियन के प्रधान से भी बातचीत की गई।

जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में स्वास्तिका प्रथम

पांवटा (प्रे.वि). हिमाचल दस्तक व हिमाचल परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा विषय पर राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पांवटा साहिब में जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता संपन्न हुई जिसमें विभिन्न स्कूलों से आए लगभग 225 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में गुरु नानक मिशन पब्लिक स्कूल पांवटा साहिब के कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा स्वस्तिका ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया । राज्य स्तर के लिए चयनित स्वास्तिका को मुख्य अतिथि एसडीएम एलआर वर्मा द्वारा हिमाचल दस्तक की ओर से 2500/–रूपये का नगद पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर बीएस सैनी तथा प्रधानाचार्य श्रीमती देवेंद्र साहनी ने उसे आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी।

अपराजिता

डॉ. प्रियंका त्रिपाठी

'दिव्या' अपने नाम के अनुरूप ही दिव्य तेज बुद्धि की लड़की थी, माँ बाप की इकलौती व लाडली बेटी थी।

पढ़ाई में सदैव अव्वल रहने वाली दिव्या के स्वभाव की एक सबसे बड़ी कमी थी उसका अति क्रोधी होना, वह इतनी गुस्सैल थी कि जब उसके मन के मुताबिक कुछ नहीं होता था तो वह गुस्से में अपना आपा खो बैठती थी माँ–बाप दोनों उसके इस गुस्सैल स्वभाव से बेहद परेशान रहते थे एवं सहमे हुए भी रहते थे। इकलौती संतान होने की वजह से उसकी जायज–नाजायज सभी माँगे पूरी करते रहते थे, ताकि उसे गुस्सा ना आए उसे अकेले बाहर भेजने में भी डरते थे कि कहीं दोस्तों के साथ कोई वाकया ना हो जाए तो उसे कौन सँभालेगा। दिव्या इस वर्ष कक्षा 12 में पहुँच गई थी आज स्कूल से लौटी तो बहुत खुश थी –'मम्मी! मम्मी!' कह कर जोर से चिल्लाई 'क्या हुआ बता'– माँ बोली 'मम्मी हमारे स्कूल से हमारी कक्षा के बच्चों को दार्जिलिंग ले जा रहे हैं मैं बहुत एक्साइटेड हूँ' –दिव्या ने कहा। उसने खुद ही मन से सोच लिया था कि जैसे हर बात मानते हैं वैसे यह बात भी मानेंगे मम्मी पापा। माँ तो यह बात सुनते ही सन्न रह गई और बोली– 'बेटा तुझे पता है ना हम तुझे अकेले कहीं नहीं जाने देते'–दिव्या जोर से चिल्लाती हुई – 'ये क्या बात हुई मम्मी सब बच्चे तो जा रहे सब बच्चे अपने मां बाप को उतने ही प्यारे होते हैं ...आप फालतू बात मत करो ।'

माँ चुप रह गई जानती थी कि कुछ भी बोलेगी तो उसे संभालना मुश्किल हो जाएगा। दिव्या पैर पटक के अपने कमरे में चली गई ।तभी माँ के पास उनकी बहन का फोन आया माँ ने पूरा घटनाक्रम अपनी बहन को बताया और रोने लगी, घर परिवार के सभी लोग दिव्या के बेहद गुस्सैल स्वभाव से परिचित थे । बहन ने कहा– 'दीदी आप चिंता ना करो मेरी एक सहेली है डॉ रश्मि बहुत बड़ी मनोचिकित्सक है उसने विदेश से डॉक्टरी की पढ़ाई की है मैं उसे लेकर आती हूँ शाम को घर।' दिव्या की माँ को थोड़ी राहत मिली और वह बेसब्री से शाम का इंतजार करने लगी लगभग 5:00 बजे वे दोनों आईं..दिव्या उसी समय ट्यूशन से लौटी थी उसे नहीं पता था की मौसी के साथ ये कौन आई हैं , वह अभिवादन करके उनके साथ बैठ गई.. डॉक्टर रश्मि ने धीरे–धीरे दिव्या से बातचीत शुरू की उसकी पसंद नापसंद पढ़ाई आदि सब के बारे में पूछा , दिव्या बहुत शालीन थी सहजता से उसने सभी प्रश्नों का उत्तर दिया फिर डॉक्टर रश्मि ने पूछा– 'दिव्या तुम्हारे स्वभाव में सबसे बड़ा माइनस प्वाइंट क्या है ? क्या तुम्हें पता है ?' दिव्या कुछ देर तक सोचती रही फिर बोली–' जी आंटी मुझे गुस्सा बहुत आता है अगर मेरे मन के विरुद्ध कुछ भी हो तो यही मुझे बर्दाश्त नहीं होता है और यही मेरा सबसे बड़ा माइनस प्वाइंट है ।'

डॉक्टर रश्मि ने कहा– ओह! अगर किसी इंसान को अपने स्वभाव के अच्छे बुरे पहलू का ज्ञान है मतलब वह इंसान वाकई में अद्भुत होता है क्या तुम्हें यह पता है 'दिव्या ने कहा– ' जी नहीं आंटी मुझे नहीं पता ।'

डॉ.रश्मि बोली – 'तो दिव्या अगर तुम्हें पता है कि तुम्हें बहुत सारे गुण हैं और मात्र एक अवगुण ऐसा है जो सब गुणों पर कभी–कभी भारी पड़ जाता है क्या तुम्हें नहीं लगता कि जैसे बाकी बच्चे घूमते फिरते हैं वैसे ही तुम भी बिना किसी रोक–टोक के घूमो फिरो ..खेलो कूदो, तुम अपने इस अवगुण के कारण एक सहज जीवन नहीं जी पा रही... तुमने पढ़ाई के दौरान कई सफलता की कहानियाँ पढ़ी होंगी, कई लोग अपने जीवन में नामुमकिन कार्य को मुमकिन किए हैं तो तुम यह छोटा सा अवगुण क्यों खत्म नहीं कर सकती ?'

दिव्या– 'हाँ ! आंटी मुझे भी ऑड फील होता है... दोस्त लोग डरते हैं बात करने में पर मैं क्या करूँ? कैसे इसे दूर करूँ?'

डॉक्टर रश्मि ने कहा– 'बेटा ! योग और ध्यान से कई दोष दूर होते हैं रोज शाम को मैं अपने घर में योग और ध्यान की क्लास चलाती हूं तुम भी आओ उसमें।'

दिव्या खुशी–खुशी तैयार हो गई क्योंकि उसे भी पता था कि इस गुस्सैल स्वभाव के चलते कई चीजें उससे दूर हैं... दिव्या ने डॉक्टर रश्मि को 'थैंक्स' बोला और अगले दिन से अपने पापा के साथ डॉक्टर रश्मि की योग और ध्यान की क्लास में जाने लगी ।

आज दिव्या को 2 माह से ज्यादा हो गए थे क्लास में जाते और वाकई में दिव्या के स्वभाव में बहुत फर्क आया... उसका चिड़चिड़ाना तो खत्म ही हो गया और गुस्सा भी ना के बराबर आता था।

आज डॉक्टर रश्मि ने क्लास खत्म होने के बाद दिव्या को बुलाया और उससे पूछा –'अब कैसा महसूस करती हो दिव्या तुम ?

दिव्या– 'बहुत अच्छा आंटी मम्मी पापा भी अब सहज होकर बात करते हैं मुझसे.. दोस्त भी साथ में रहने लगे.. मैं बहुत खुश हूँ..'

डा .रश्मि ने कहा– 'वाकई में तुम बहुत दृढ़ इच्छाशक्ति की इतनी जल्दी तुमने इंप्रूव किया यह प्रशंसा की बात है.. आज तुमने अपने एक अवगुण को पराजित कर दिया जिससे तुम्हारा स्वभाव कुंदन की तरह चमकने लगा... आज से मैं तुम्हारा नाम 'अपराजिता' रखती हूँ अब तुम्हारा गुस्सा तुम्हें कभी नहीं हरा पाएगा.. तुम सबका प्यार पाओगी और अपने जीवन के लक्ष्य को बिना अवरोध के प्राप्त कर सकोगी।'

दिव्या ने उठकर डॉ.रश्मि को गले लगा लिया–'आंटी अगर मैं आज अपराजिता बनी हूँ तो इसमें सिर्फ आपका योगदान है बहुत–बहुत धन्यवाद आपका।'

दिव्या खुशी–खुशी अपने पापा के साथ घर वापस लौट गई और मम्मी पापा ने उसे यह भी खुशखबरी दी कि बेटा अब तुम दार्जिलिंग जा सकती हो हमें तुम पर पूरा भरोसा है तुम हमारा गर्व हो।

'वाकई में दिव्या ने अपने क्रोध पर विजय पाकर यह साबित कर दिया कि अब उसे उसका क्रोध कभी हरा नहीं सकता' और वह 'अपराजिता' बनकर सबके सामने आज अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर रही है ।'

यमुना करूणा संस्था ने मनाया प्रशामक देखभाल दिवस

पांवटा (हिका). यमुना करूणा संस्था बर्ड ओसपीस व प्रशामक देखभाल दिवस मनाया गया जिसमें पांवटा नगर पालिका कमेटी व नज़दीक की पंचायतों के आशा वर्कर,आंगनबाड़ी वर्कर व अन्य समाजसेवी संस्था को प्रशासक देखभाल की ट्रेनिंग दी गई तथा वर्कशाप का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 70 वर्कर्स ने भाग लिया जिसमें डॉ. परवेश सबलोक, डा. नीना सबलोक व सचिव इजि. शांति स्वरूप गुप्ता, उर्मिला देवी द्वारा इस बारे ट्रेनिंग दी गई। अतः इस कार्यक्रम यमुना करूणा संस्था के सदस्य अनिल कुमार सैनी, राजीव गुप्ता व हिमांशु भाटिया थे। गौरतलब है कि प्रशामक देखभाल दर्द और अन्य चिंताजनक लक्षणों से राहत प्रदान करता है तथा जीवन की पुष्टि करता है और एक सामान्य प्रक्रिया के रूप में मरने का संबंध है। मृत्यु को जल्दबाजी या स्थगित करने का इरादा नहीं करता, रोगी देखभाल के मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक पहलुओं को एकीकृत करता है।

जब बीणी ने किया कमरऊ पर आक्रमण

- सुन्दर सिंह चौहान

शिलाई क्षेत्र का हर गांव इतिहास की किसी न किसी घटना से जुड़ा है। आज भी इस क्षेत्र के गांव की बीरगाथाएं चर्चा का विषय है। जिस पर शोध चल रही है। आज हम आपको ऐसे ही एक गांव से रू ब रू करवा रहे है जिसका अजय रहने का इतिहास रहा है। कमरऊ गांव को कोई भी आक्रमणकारी नही जीत पाया था। थुंबाड़ी गांव जो कि शिलाई से कुछ ही दूरी पर स्थित है में बीणी नाम का योद्धा हुआ जो खुद को क्षेत्र का दादा समझता था ने कमरऊ पर आक्रमण किया जहां पर वो मारा गया था। यह घटना करीब 400 साल पुरानी है जो आज भी इतिहास मे दर्ज है, के अनुसार थुंबाड़ी गांव के धोलू नामक राजपूत के घर बीणी का जन्म हुआ था। जन्म के उपरांत जब धोलू ने उनकी जन्म पत्री बनाई थी पंडितो ने उसी समय बीणी की मौत कमरऊ मे होनी लिख दी थी। जेसे जसे बीणी बड़ा हुआ उसके दिमाग में क्षेत्र विजय का भूत सवार हो गया। विजेता बनने के लिए उसने अपनी फौज तेयार कर ली ओर उसने निश्चय किया की जितने भी क्षेत्र के माई (असली राजपूत) हैं उनको मौत के घाट उतार देगा। बीणी ने देहरादून के राजा से फौज की एक टुकड़ी मांग ली जिनको सेवग (सिपाही) कहा जाता था। जब राजा की फौज थुंबाडी पंहुची तो बीणी ने उनको हुकम दिया की खाना खाने के बाद सब तेयार हो जाओ हमे शिलाई गांव पर आक्रमण करना है। फौज तेयार हो गई ओर बीणी को पालकी मे उठाकर शिलाई ले आए बीणी की फौज से शिलाई धार पुरी तरह भर गई वहां पर उसने पैदल मार्च किया ओर अपनी शक्ति का अहसास करवाने के लिए तोहफो से आसमान की तरफ फायर किए ताकी क्षेत्र के लोग उससे भयभीत होने लगे। यह सियासत काल की बात हे तब पंचायते नही हुआ करती थी उस समय गांव का मुखिया नंबरदार हुआ करते थे,तब शिलाई गांव के नंबरदार साईबू नामक ठेंडाऊ होते थे जो बहुत ही शांत ओर समझदार थे। बीणी ने सबसे पहले शिलाई के जाहरबीर गोगा मंदिर को आग लगा दी । शिलाई गांव के पानी की बावड़ी को नष्ट कर दिया ओर फिर बीणी के सेनापति जोईया ने फौज को शिलाई गांव पर आक्रमण करने का हुकम दिया। जब बीणी की फौज शिलाई गांव पंहुची तो उनकी भेंट साईबु नंबरदार की बेटी धरमी से हुई उसने कहा मंदिर उजाड़ने से क्या फायदा आपके टक्कर के राजपूत नेडा पार मिलेगे। बीणी ने कहा उनको साईबु नंबरदार से मिलना है वह बहुत ही समझदार था वो सोने के बिस्कुट लेकर बीणी को सप्रेम भेंट लेकर आ गया जिससे बीणी का शांत हो गया। ओर वहां से चला गया जाते समय बीणी ने शिलाई की हरिजन बस्ती पर हमला कर दिया जिसके बाद साईबू नंबरदार की बेटी धरमी ओर गांव की अन्य महिलाओं ने बीणी की फौज पर पथराव कर दिया जिससे बीणी के 9 सेवग (सिपाही) ओर एक दलित मारा गया था। उसके बाद बीणी अपनी फौज के साथ नेड़ा नदी के तट पर छोईयो क्यार नामक जगह पर आ गया जहां उसने अपनी फौज का डेरा लगा दिया। वहां पर उसने अपनी फौज के लिए खाने का इंतजाम किया। उसने चार सेवग (फौजी) शिल्ला गांव भेजे ओर वहां से चावल ओर दुगाना गांव से दूध मंगवाकर सबको खीर खिलाई। उसके बाद बीणी ने अपने सेवगो से कहा की शिल्ला के नंबरदार को बुलाकर लाओ,उस समय शिल्ला का नंबरदार सामू नामक शिलवाल था। जब सेवग शिल्ला पानी की बावड़ी के पास पंहुचे तो कुछ देर आराम किया उसके बाद वह शिल्ला मे तिलका ओर सामु के आंगन में पंहुचे उन्होने आवाज लगाई की सामू नंबरदार ओर तिलका बाहर आ जाओ । सामू नंबरदार तंबाकू भरकर बाहर आया बीणी के सेवगो ने उनको संदेश पढकर सुनाया जिसमे छोईयो क्यार मिलने की बात लिखी थी। उसने अपने माई मुंगलू ओर तिलका से विचार विमर्श किया की बीणी उनको मिलने छोईयो क्यार बुला रहा है। सामू ओर तिलका दोनो भाई बीणी से मिलने छोईयो क्यार पंहुच गए सामू नंबरदार ने सोने कि अशरफी भेंट स्वरूप बीणी को दे दी। जिससे प्रसन्न बीणी ने सामू नंबरदार को अपना धर्म भाई बना लिया ओर क्षेत्र के बारे मे सामू से जानकारी हासिल की । बीणी ने पूछा यहां से आगे कौन माई (असली राजपूत) रहता है। तब सामू ने बताया कि यहां से आगे पुंदरोऊ राजपूत रहता है वह कांडो च्योग मे रहता है,जामना शरली ठाणा उसके सहयोगी गांव है सबसे नीचे टौंस नदी किनारे पुंदरोऊ रहता है जो बहुत ही खूंखार है,देखने मे छोटा है लेकिन बहुत ही ताकतवर है आज तक उसे कोई नही जीत पाया। फिर बीणी ने पूछा उससे आगे कौन है सामू ने बताया उससे आगे ओंजवाल माई रहता है लेकिन वहां साथ ही कांगड़ा मे महाराजा सिरमौर का पुलिस थाना है जो की आपके लिए ठीक नही है। फिर बीणी ने पूछा अगला माई कौन,तब सामू ने कहा की अगला माई कमरऊ है। लेकिन वह बहुत ही खतरनांक है उनको छेड़ना शेर के मांद मे हाथ डालने जेसा है। सामू नंबरदार की यह बात सुनकर बीणी को क्रोध आ गया ओर कहने लगा की मेरी पालकी ऊठाऊ ओर शालना के नंबरदार माडु पर धावा बोल दो जब बीणी ने सामू से कमरऊ जाने का रास्ता पूछा। तब सामू ने कहा की जोईदीधार से होकर जाना यह सबसे नजदीक रास्ता है। उसने कहा दुगाना होकर मत जाना दुगाना के लोग बहुत चतुर है खुद को पीछे रख लेगे ओर दुसरो को पहले मरवा लेगे। जोईदी के रास्ते बीणी की फौज तिलोरधार पंहुच गई जहां पर उसने अपना झंडा गाड़कर तोफो से हवाई फायर किए ओर कमरऊ को अपनी शक्ति का अहसास करवाया,उसने कमरऊ को धमकी दी कि उनको गिरी से पार भगाना है। उसने अपने सेवगो के पास शालना जो कि कमरऊ का तीसरा गांव हे के नंबदार माडु ओर मल्का को बुलाकर लाओ। सेवगो ने गाय चराने वाले बच्चो से माडु ओर मलका का घर का पता पुछा जब वह माडू के आंगन पंहुचे तो उनको बाहर बुलाया माडु उस समय घर पर नही थे,उनका बेटा घोरू बाहर आया सेवगो ने संदेश पढा जिसमे नंबरदार को राशन पानी बकरा लेकर मिलने बुलाया गया था,नही आने पर गांव को आग लगाने की धमकी दी गई थी। संदेश सुनते ही माडू के बेटे को गुस्सा आ गया उसने बीणी के सेवगो को धकका मारकर गांव से भगा दिया। बीणी के सिपाहीयो ने यह बात बीणी से कही तो उसको क्रोध आ गया उसने अपनी फौज को कमरऊ पर आक्रमण करने का हुक्म दिया। बीणी अपनी फौज के साथ कमरऊ की तरफ बढा उसने गांव का पानी नष्ट कर दिया आसपास के पेड. पौधे काट दिऐ बाद में उसका मुकाबला धोरमू बुलदोईया जो की नंबरदार का अंगरक्षक था से हो गया। धोरमू ने बीणी ओर उसके सेनापति जोईया का वध कर दिया उसकी फौज डर के मारे भाग गई। नंबरदार ने बलदोआ गांव धरमू नामक भोड़ को भेंट स्वरूप दे दिया आज भी बलदोआ मे धरमू के वंशज रहते है,जबकि कमरऊ के तीन गांव मे राजपूत रहते है।

कमरऊ गाँव का एक दृश्य

नृत्य, साहित्य, संगीत का संगम सूत्रधार क्लब कुल्लू में

कुल्लू (दीपक कुल्लुवी). हिमाचल कला संस्कृति भाषा अकादमी शिमला और हिमालयन कला एवं संस्कृति परिषद के सामूहिक प्रयासों से सूत्रधार क्लब कुल्लू में दोपहर दो बजे से देर रात तक बेहद शानदार कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमे नृत्य, साहित्य, संगीत, भजन, गजल सबकुछ ही था।

मुख्यातिथि थे सचिव अकादमी डॉ कर्म सिंह और अध्यक्ष डॉ इंद्र ठाकुर। बिलासपुर से खासतौर पर पधारे थे प्रो0 श्याम के शिष्य संगीतज्ञ गोविंद घोष। श्याम की सपुत्री नीलम। बॉलीवुड म्यूजिक डायरेक्टर एस0 डी0 कश्यप जिन्हें अकादमी ने सम्मानित भी किया उनके अलावा वरिष्ठ साहित्यकार जयदेव विद्रोही, दिनेश सेन, श्याम के सपुत्र को भी सम्मानित किया गया। ऐंकरिंग कमान रही महेश शर्मा के हाथ।

लाखामंडल, कालसी में भयंकर हादसा

विकासनगर (उमेद). देहरादून से लाखामंडल कालसी जा रही गाड़ी नं. यू.के.07एबी6429 अचानक अनियत्रिंत होकर गहरी खाई में जा गिरी। यह हादसा प्रातः 4 बजे के बीच हुआ जिसमें 7 लोग सवार थे जिनमें से 5 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया तथा दो घायलों को हेलीकाप्टर की मदद से देहरादून ले जाया गया। मृतकों में बाबू राम गौड़ पुत्र स्व. बुद्धिराम, श्रीमती दर्शनी देवी पत्नी बाबू राम गौड़, हैप्पी गौड़ पुत्र बाबू राम गौड़ , रीना पत्नी तिलक राम तथा शानू जो अभी मात्र डेढ़ वर्ष का था की मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकि घायलों में अंकुश गौड़ पुत्र महिमानन्द गौड़ तथा बबीता पत्नी विशम्बर शामिल हैं। यूपी पुलिस मौके पर पहुँचकर दुर्घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी हैं तथा प्रशासन ने भी इस घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है।

नाबार्ड राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक सम्मेलन आयोजित

चंबा (प्रे.वि)– राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड चम्बा द्वारा आज जिले के विभिन्न बैंकों के प्रबन्धकों हेतु स्वयं सहायता समूह एवं संयुक्त देयता समूह पर एक दिवसीय कार्यशाला भूरी सिंह संग्रहालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई ।कार्यशाला में शाखा स्तर पर कार्य कर रहे प्रबंधकों को वर्तमान में प्रचलित दिशानिर्देशों के बारे में जानकारी देना था ताकि वह ज्यादा से ज्यादा ऋण बांटे और प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत दिये गये लक्ष्यों को प्राप्त करें । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाब नेशनल बैंक के एस.आर.टंडन थे । नाबार्ड के जिला विकास प्रबन्धक रवि दास ने बताया कि बैंक अधिकारियों को समय–समय पर जागरुक किया जाता है ताकि उनको आधार स्तर पर आ रही कठिनाईयों पर चर्चा की जा सके और उनका समाधान किया जा सके स जिला के अग्रणी बैंक प्रबन्धक भूपेन्द्र सिंह ने आधार स्तर पर बैंकों के साथ खाता खोलने इत्यादि में आ रही परेशानियों को दूर करने एवं बैंकों द्वारा ज्यादा से ज्यादा ऋण वितरित करने को कहा । नाबार्ड के जिला विकास प्रबन्धक ने कहा कि यह समूह घर में बैठकर स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकते है जिसके लिये इन्हें पैसों की आवश्यकता होगी तो इसके लिए बैंकों द्वारा ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। सयुंक्त देयत्ता समूह कार्यक्रम के माध्यम से भी कई प्रकार के कारोबार चलाये जा सकते है जिसके लिए भी बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध है । अपेक्षतया कम कारोबार लागत और नाबार्ड से रियाती दरों पर शत प्रतिशत पुनर्वित्त उपलब्ध होने के कारण बैंकों द्वारा स्वयं सहायता समूहों सयुंक्त देयत्ता समूहों को दिये जाने वाले ऋण पर बेहतर मार्जिन मिलता है एवं इन समूहों को दिये जाने वाले ऋण को प्राथमिकता प्राप्त को प्रदान किये जाने वाले ऋणों की श्रेणी में रखा है । इस कार्यशाला में वाणिज्यिक बैंकों, हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक, हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक के 40 प्रबन्धकों द्वारा भाग लिया। इसके अलावा आर–सेटी के निदेशक, भारतीय स्टेट बैंक के वित्तीय परामर्शदाता प्रवीण कुमार वर्मा ने भी भाग लिया. अरुण कुमार, अधिवक्ता ने भी प्रतिभागियों को कानूनी कार्यवाही पर जागरूक किया ।

गुरू नानक मिशन स्कूल का बास्केट बॉल ट्रॉफी पर किया कब्जा

पांवटा (प्रे.वि). सीबीएसई कलस्टर–16 में गुरु नानक मिशन पब्लिक स्कूल के अंडर 19 आयु वर्ग के अंतर्गत बॉस्केटबाल प्रतियोगिता में छात्राओं की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम गर्व से ऊँचा कर दिखाया। गत 4 अक्टूबर से 7 अक्टूबर 2019 तक 'विश्वास नव शारदा पब्लिक स्कूल भुना फतेहाबाद में आयोजित सीबीएसई कलस्टर–16 बास्केटबाल प्रतियोगिता सम्पन्न हुई जिसमें इस प्रतियोगिता में लगभग 102 स्कूलों ने हिस्सा लिया। जिसमें विद्यालय की खेल छात्राएं पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपनी खेल प्रतिभा को बरकरार रखते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हुई वहीं छात्र वर्ग की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती देवेन्द्र कौर साहनी ने बताया कि उनके विद्यालय की अंडर–19 बॉस्केट बॉल बालिका टीम सेंट टेरेसा स्कूल मानसरोवर राजस्थान में आगामी 9 से 12 नवम्बर 2019 तक आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए तत्पर हैं और इसके लिए अभी से उन छात्राओं ने कठोर अभ्यास जारी कर दिया है। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर बी.एस.सैनी तथा प्रधानाचार्या श्रीमती देवेन्द्र कौर साहनी ने खिलाड़ियों तथा उनके कोच गुरुनाम सिंह का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

'वन स्टॉप सेंटर'बना पीड़ित महिलाओं का सहारा

मंडी (प्रे.वि)– हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही छत के नीचे एकीकृत रूप से सहायता एवं सहयोग प्रदान करने में मंडी स्थित 'वन स्टॉप सेंटर' बहुत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। मंडी जिला प्रशासन द्वारा संचालित इस सेंटर में निजी और सार्वजनिक जगहों पर हिंसा से प्रभावित महिलाओं को सहायता प्रदान की जाती है।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार मंडी शहर में जेल रोड़ स्थित वर्किंग वूमन होस्टल में खोले गए इस 'वन स्टॉप सेंटर' में सभी तरह की हिंसा से पीड़ित महिलाओं और बालिकाओं को अस्थायी रूप से रुकने की सुविधा दी जा रही है, ताकि उन्हें किसी सहारे के लिए भटकना न पड़े। प्रदेश का महिला एवं बाल विकास विभाग इस योजना के कार्यान्वयन के लिए नोडल विभाग के तौर पर काम कर रहा है।

स्पोर्टस क्लब जेलग ने जीता बॉलीबाल का खिताब

राजगढ़ (प्रे.वि).– पुरूषों एवं महिलाओं की जिला स्तरीय बॉलीबाल प्रतियोगिता राजगढ़ के नेहरू मैदान में सम्पन्न हुई । पुरूष वर्ग में बॉलीबाल का खिताब स्पोर्टस क्लब जेलग ने गणेश क्लब नाहन को फाईनल में पराजित कर जीता जबकि महिला वर्ग में स्पोर्टस क्लब शावगा ने डिग्री कॉलेज राजगढ़ को फाईनल में हराकर बाजी मारी। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर ब्रिजेश कुमार को बेस्ट खिलाड़ी का खिताब दिया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता साईं कोपरेटिव सोसायटी के अध्यक्ष राजकुमार सूद ने की और विजेता तथा उप विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए ।

इस मौके पर अपने संबोधन में राजकुमार सूद ने खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाऐं देते हुए कहा कि खेलों का मानव जीवन में बहुत महत्व है जिनके आयोजन से जहां युवाओं का शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास होता है वहीं पर उनमें अनुशासन, प्रतिस्पर्धा और कठिन परिश्रम की भावना उत्पन्न होती है जिससे राष्ट्र की एकता और अखण्डता को बल मिलता है ।

जिला सिरमौर बॉलीबाल संघ के अध्यक्ष पृथ्वी राज ठाकुर ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए जानकारी दी कि इस दो दिवसीय बॉलीबाल प्रतियोगिता में जिला की कुल 17 टीमों ने भाग लिया जिनमें 13 टीमें पुरूष और चार टीमें महिला वर्ग की थी ।उन्होने बताया कि इस प्रतियोगिता में बॉलीबाल के 20 खिलाड़ियों का चयन किया गया जिसमें 12 पुरूष और आठ महिला खिलाड़ी शामिल है ।उन्होने बताया कि चयनित खिलाड़ी आगामी 13 अक्तूबर से 17 अक्तूबर तक रोहडू में होने वाली राज्य स्तरीय बॉलीवाल प्रतियोगिता में जिला सिरमौर का प्रतिनिधित्व करेगी ।

इस मौके पर सिरमौर बॉलीबाल संघ के सचिव भाग सिंह, उपाध्यक्ष राजेन्द्र चौहान, सह सचिव कपिल ठाकुर सहित संघ के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे ।

आशा वर्कर्स देंगी डेंगू और स्क्रब टाईफस से बचाव की जानकारी

नाहन (प्रे.वि)– सिरमौर जिला के शिक्षण संस्थानों व आशा वर्कर्रो के माध्यम से डेंगू और स्क्रब टाईफस के बचाव बारे में लोगों को जागरूक किया जाएगा।

यह जानकारी अतिरिक्त उपायुक्त सिरमौर डा. प्रियका वर्मा ने गुरुवार को उपायुक्त कार्यालय में वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम की बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी । उन्होने कहा कि घरों के आसपास पानी के इक्ट्ठा होने से डेंगू के मच्छर उत्पन्न होते है जिससे डेंगू के फैलने की संभावनाएं उत्पन्न हो जाती है । उन्होने कहा कि इन रोगों से बचने के लिए सावधानी बरतने की नितान्त आवश्यकता है, जिस बारे लोगो को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान आरंभ किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को सप्ताह में एक दिन ड्राई डे मनाने की अपील की। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग व बाल विकास एवं परियोजना अधिकारी को आशा वर्करों को इस अभियान में जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने विभाग को ऐसे स्पॉट तलाश करने के निर्देश दिए जहां डेंगू के पनपने के अधिक सम्भावनाएं हो।इस बैठक में डीपीओ डा0 विनोद ने डेंगू के फैलने व रोकथाम के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।उन्होंने बताया कि डेंगू से प्रभावित व्यक्ति के लिए सिरमौर में एलीसा टैस्ट पांवटा साहिब व डा0 वाई0एस0परमार0 मेडिकल कॉलेज में निःशुल्क उपलब्ध है। बैठक में जिला में कार्यरत सभी खण्ड चिकित्सा अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया ।

14 से 21 अक्तूबर तक मोतियाबिंद सप्ताह

नाहन(प्रे.वि)– आंखें हमारी कुदरत का दिया हुआ बेहतरीन तोहफा है, जिससे हम जीवन की खूबसूरती को देख पाते है। इस रंग बिरंगी कुदरत के खूबसूरत नजारों का लुत्फ ले पाते है, हमें इस कुदरत के तोहफे का खास ख्याल रखना चाहिए। आंखे जितनी खूबसूरत होती है उतनी ही नाजुक भी होती है, जरा सी लापरवाही हमारी आंखों के लिए घातक सि) हो सकती है। इसी कड़ी में श्री साईं मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल एंव ट्रामा सेंटर नाहन द्वारा अब दूर होगा अंधेरा कार्यक्रम के तहत सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसमें आंखों जांच मुफ्त की जाएगी, इतना ही नही इस दौरान मोतियांबिद ग्रस्त लोगो की सर्जरी भी रियायती दरों पर की जाएगी। जानकारी देते हुए श्री साई अस्पताल के निदेशक डा. दिनेश बेदी ने बताया कि आंखें बहुत कोमल होती है। जिनको धूल मिटटी, हानिकारक धुएं से बचाना बहुत जरूरी होता है। आने वाले दिनों दिपावली में पटाखों की तेज रोशनी व पटाखों के धुएं आंखों की रोशनी को नुकसान पहुचां सकते है।

बता दे श्री साई अस्पताल नाहन सदैव लोगों के स्वास्थ हो लेकर सजग है तथा समय समय पर बेहतरीन सेवाएं निशुल्क अथवा मामूली दरों पर उपलब्ध करवा रहा है। जिसका लाभ सिरमौर की जनता को मिल रहा है।

घर का मुखिया ही मुंह फेर ले तो किसके पास फरियाद लगाएं लोग-अभिषेक

हमीरपुर (प्रे.वि). हिमाचल प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया के चेयरमैन अभिषेक राणा ने कहा है कि मुख्यमंत्री के लिए पूरे प्रदेश की जनता परिवार की तरह होती है तथा मतदाता भी परिवार का मुखिया तभी चुनते हैं कि उनकी समस्याओं का निवारण हो सके लेकिन एक परिवार के दुख की घड़ी में साथ देने की बजाए मुंह फेरकर जाने वाले मुख्यमंत्री पहली बार देखे जबकि मृतका के परिजनो के साथ ढाल बनकर उनका दुःखदर्द बांटने व महिला को इंसाफ दिलाने सैंकड़ों ग्रामीणों ने उनका साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की ओर से मृतक महिला के परिजनों से सहानुभूति जताते हुए कहा कि बेहतर होता कि मुख्यमंत्री भी मामले को समझते और हमीरपुर के पक्का भरो में मृतक महिला के परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाने में अपनी संवेदनशीलता दिखाते, लेकिन मुख्यमंत्री को उपचुनाव की जनसभा जरूरी दिखी। यहीं से पता चलता है कि सरकार कितनी संवदेनहीन है। उन्होंने कहा कि घर का मुखिया ही अगर मुंह फेर ले तो लोग किसके पास न्याय की फरियाद लगाएंगे। उन्होंने कहा कि विपदा की ऐसी घड़ी में दुश्मन भी मुंह नहीं फेरते लेकिन जिसे जनता अपना मुखिया बनाकर विधानसभा भेजती है, वे इस तरह का बर्ताव करें तो साबित होता है कि प्रदेश सरकार को जनता से कोई लेना –देना नहीं है।

दूनवासियों में जगी एसडीएम व बीडीओ कार्यालय खुलने की उम्मीद

बदरी (शान्ती गौतम)– महलोग सभा की मासिक बैठक पटटा कार्यालय में अध्यक्ष बी.आर वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें अक्तूबर महीने में दीवाली से ठीक पहले प्रदेश के मुख्यमन्त्री की होने वाली प्रस्तावित रैली को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। सभी सदस्यों ने एक सुर में कहा कि सीएम की रैली को लेकर पहाड के लोगों में भारी उत्साह व आशायें हैं। सीएम बीबीएन उद्योग संघ के रजत जयंती कार्यक्रम में भाग लेने बददी आ रहे हैं।

गौरतलब है कि धर्मशाला और पच्छाद के मध्यावधि चुनावों के तुरन्त बाद मुख्यमन्त्री की दून विधानसभा क्षेत्र में विशाल जनसभा तथा अनेक उद्यघाटन और शिलान्यास किये जाने प्रस्तावित है। पिछले वर्ष भी चन्डी की जनसभा में मुख्यमन्त्री के न पहुंच पाने के कारण लोगों में निराशा ही हाथ लगी थी। हालांकि सीएम ने गोयला में उनका हैलीकॉप्टर लैंड न होने की वजह से तुरन्त शिमला की ओर रूख किया। तथा वहां से विडियो कान्फ्रेन्सिंग के जरिये जनसभा को स बोधित किया था। परन्तु सामने से सीएम को सुनने वालों तथा अपनी मांग पत्र लेकर आये लोगों को निराशा ही हाथ लगी थी। 1 मई 2018 को सीएम जयराम ठाकुर ने बददी में विशाल नशा विरोधी रैली को संबोधित किया था। तथा प्रदेश से हर हाल में नशा मिटाने का दृढ संकल्प दोहराया था। लगभग दो वर्ष के कार्यकाल में पहला अवसर है जब पहाड के लोगों को प्रदेश के युवा सीएम से रूबरू होने तथा सामने से अपनी बात रखने का मौका मिलेगा। महलोग सभा के अध्यक्ष बुधिराम वर्मा ने कहा कि जयराम के प्रस्तावित दौरे को लेकर पहाड के लोगों में भारी जोश है तथा पहाड क्षेत्र की बडे लंबे समय से चली आ रही मांगो को पूरा होने की आशा नजर आ रही है। पहाड की मुख्य मांगों में पहाडी क्षेत्र के बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कालेज, दून हल्के में कई भी एसडीएम कार्यालय न होने की वजह से पटटा महलोग में उप–तहसील कार्यालय व एसडीएम कार्यालय खुलना समय के अनुसार सबसे बडी मांग है। उन्होंने कहा कि पूरे हिमाचल में दो ही विस क्षेत्र कसौली तथा दून ऐसे क्षेत्र हैं जहां पर अपना एसडीएम कार्यालय नहीं है। यदि पटटा महलोग में एसडीएम व बीडीओ कार्यालय खुलता है तो दून हल्के की डेढ दर्जन पंचायतों के साथ साथ कसौली विस की आधा दर्जन से ज्यादा पंचायतोंको सीधा लाभ मिलेगा। क्योंकि अब तक इन पंचायत के लोगों को सैकडों किलोमीटर दूर नालागढ अथवा सोलन अपना कार्य करवाने के लिए जाना पडता है। इसके इलावा बरोटीवाला से सुबाथू स्टेट हाईवे को पिछली केन्द्र ने डबल लेन करवाने का वादा किया था। लेकिन अभी तक इस सडक का कुछ नहीं हुआ। इसे शीघ्रताशीघ्र डबल लेन करना अनिवार्य है। क्योंकि तभी पहाड के लोगों के जीवनस्तर में बदलाव लाया जा सकता है यदि यहां सडकें अच्छी होंगी। और बनलगी में वर्षीस उद्योग विभाग की सैकडें बीघा खाली पडी जमीन पर भी उद्योगपति अपने उद्योग स्थापित कर पायेंगे।

उपचुनाव के लिए प्रथम पूर्वाभ्यास आयोजित

नाहन (प्रे.वि)– सिरमौर जिला के 55–पच्छाद (अनुसूचित जाति) निर्वाचन क्षेत्र में 21 अक्तूबर, 2019 को आयोजित होने वाले उपचुनाव के दृष्टिगत आज नाहन में निर्वाचन के लिए नियुक्त पीठासीन अधिकारियों, सहायक पीठासीन अधिकारियों तथा मतदान अधिकारियों का प्रथम पूर्वाभ्यास आयोजित किया गया। पूर्वाभ्यास कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सिरमौर आर.के. परुथी ने की।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया टीम वर्क है तथा इस कार्य के लिए नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करना होगा ताकि 55–पच्छाद निर्वाचन क्षेत्र में सभी चुनावी कार्य समय पर एवं निर्विघ्न सम्पन्न हो सकें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग सभी से यह अपेक्षा रखता है कि निर्वाचन कार्य को नियमानुसार पूरा किया जाए और इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए समय–समय पर अभ्यास करवाया जाता है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अपने कार्य को त्रुटिरहित पूरा करें।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि प्रथम अभ्यास में सभी पीठासीन अधिकारियों, सहायक पीठासीन अधिकारियों तथा मतदान अधिकारियों को उनकी भूमिका एवं उत्तरदायित्वों के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी उपलब्ध करवाई गई। उन्हें चुनाव में प्रयुक्त की जाने वाली सभी मशीनों का व्यवहारिक ज्ञान भी प्रदान किया गया। सभी को इस चुनाव में प्रयुक्त होने वाली नवीन एवं आधुनिक इलैक्ट्र निक वोटिंग मशीन एम–3 (ईवीएम) की कार्यप्रणाली की भी पूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त प्रियंका वर्मा, तहसीलदार निर्वाचन ऊषा चौहान, नायब तहसीलदार निर्वाचन गोपीचन्द डोगरा सहित पीठासीन अधिकारी, सहायक पीठासीन अधिकारी तथा मतदान अधिकारी उपस्थित थे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत 14000 किमी की यात्रा

बदरी (शान्ती गौतम)– शनाया कॉसमेटिक्स के सहयोग से भंडोरा ऑर्गेनिक प्रोडक्ट ने केरला के बाइकर्स का समर्थन किया है जो बेटी बचाओ, बेटी पढाओ के लिए 14000 किमी की सवारी कर रहे हैं। लेह लददाख से वापस लौटते समय बाइकर की टीम में 15 सवारियां शामिल थीं जिन्हें बददी में भंडोरा ऑर्गेनिक प्रोडक्ट फैक्ट्री में विश्राम और जलपान के लिए रोका गया था। भंडोरा ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स के चेयरमैन मेजर जनरल डा. श्रीपाल , निदेशक उमा श्रीपाल, नीलाभ नागर, मुक्ता नागर और कंपनी के सीईओ लेफ्टिनेंट कमांडर जुबी मैथ्यू ने बाइकर्स के खेल और उत्साह की प्रशंसा करते हुए उन्हें केरला के लिए रवाना किया।

चर्चित चेहरा

बागी उम्मीदवार के तौर पर अपना भाग्य आजमा रही हैं

श्रीमती दयाल प्यारी

-सरिता गर्ग

हिमाचल प्रदेश में विधानसभा के उपचुनाव में एक नाम ऐसा है, जो फिलहाल, भाजपा के लिए सिरदर्द बना हुआ है। धर्मशाला और पच्छाद सीटों पर जीत का दावा ठोकने वाली भाजपा के लिए अपनी ही पार्टी की महिला नेता मुश्किल पैदा कर रही हैं। यह महिला नेता है सिरमौर से दयाल प्यारी। पच्छाद सीट से नामांकन दाखिल करने वाली दयाल प्यारी को लेकर भाजपा में घमासान मचा हुआ है।

दयाल प्यारी सिरमौर जिले के पच्छाद की डीलमन पंचायत के कुजी गांव की रहने वाली हैं। दयाल प्यारी लगातार तीसरी जिला परिषद की सदस्य बनी हैं। इस बार वह बाग पशोग से जिला परिषद की सदस्य हैं, जबकि इससे पहले दो बार नारग वार्ड से चुनी गई थी। दयाल प्यारी जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी तब जिला परिषद की चेयररपर्सन भी रह चुकी हैं. यही नहीं इलाके की दो दर्जन से अधिक पंचायतों में दयाल प्यारी का प्रभाव है।

लोकसभा चुनाव से पहले भी दयाल प्यारी चर्चा में रही थी। दरअसल, हिमाचल के सीएम जयराम ठाकुर का सिरमौर में एक कार्यक्रम था।कार्यक्रम के दौरान दयाल प्यारी के अलावा कुछ अन्य भाजपा नेता भी मंच पर मौजूद थे। इस दौरान एक भाजपा नेता ने उनके धक्का मारते हुए दूसरी तरफ धकेल दिया। इस घटना का वीडियो जमकर वायरल हुआ था। इसके बाद दयाल प्यारी ने एससी–एसटी एक्ट के तहत भाजपा नेता के खिलाफ मामला भी दर्ज करवाया था. । इस दौरान दयाल प्यारी खासी चर्चा में रही थी।

सिरमौर की पच्छाद विधानसभा सीट के लिए दयाल प्यारी भी टिकट के दावेदारों की रेस में थी. उनका नाम हाईकमान को भेजा गया था, लेकिन अंत में भाजपा ने रीना कश्यप को पच्छाद से टिकट दिया. इसके बाद दयाल प्यारी ने बगावत कर दी और निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान करते हुए नामांकन दाखिल किया।

अपने कुलदेवता भूरेश्वर महादेव के मंदिर में माथा टेकने के बाद दयाल प्यारी ने अपना चुनाव प्रचार अभियान भी शुरू कर दिया। दयाल प्यारी के नामांकन पत्र वापस लेने की भी अटकलें चल रही थीं। लेकिन, सोलन में हुए हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद वह सीधा चुनाव प्रचार में जुट गई। नामांकन पत्र वापस लेने को लेकर उसकी सीएम से भी बातचीत हुई थी। दयाल प्यारी के निर्दलीय मैदान में उतरने के बाद पार्टी हाईकमान ने उन्हें छह वर्ष के लिए पार्टी की सदस्यता से निष्कासित कर दिया है।

दयाल प्यारी एक जुझारू महिला की छवि रखती हैं और राजनीति के दांवपेंच भी वह अच्छे से समझती हैं और शायद इसीलिए उनके चुनावी मैदान में उतरने से अन्य उम्मीदवारों की मुश्किलें बढ़ती नज़र आ रही हैं।

पार्टी से निष्काशित करने के बाद लोगों का उनके प्रति भावनात्मक रूझान बढ़ गया है, वह जहां भी जा रही है उनको जनता का साथ मिल रहा है। इधर दयाल प्यारी को मिल रहे जन सहयोग से भाजपा परेशानी मे पड़ गई है। भाजपा आला कमान को यह डर सता रहा है अगर दयाल प्यारी की तरफ जनता का रूझान बढा तो उनकी सीट खतरे मे पड़ सकती है। जिसके चलते भाजपा ने अपने सभी नेता चुनाव प्रचार में झोंक दिए है। दोनो दलो के रूष्ट वोटरो पर दयाल प्यारी विसात बिठाए हुए है। दयाल प्यारी की 15 पंचायतो मे जबरदस्त पकड़ है जहां से वह जिला परिषद सदस्य है। देखना दिलचस्प होगा की जनता तिकड़ी मे किसके सर ताज सजाती है।

घर-घर जाकर चुनाव प्रचार में उतरी रीना कश्यप

नाहन (प्रे.वि). पच्छाद से भाजपा प्रत्याशी रीना कश्यप ने करगानू पंचायत के करगानू ओर पार्शला में चुनाव प्रचार के लिए बैठको में भाग लिया ओर साथ में गिरी पुल मार्केट में डोर टू डोर चुनाव प्रचार किया। उनके साथ शिमला ससदीय क्षेत्र से सासद सुरेश कश्यप उपस्थित रहे।

भाजपा प्रत्याशी रीना कश्यप ने कहा जिस प्रकार से भाजपा सरकार के 2 वर्ष में राजगढ़ में अभूतपूर्व विकास हुआ है उसी प्रकार आने वाले 3 वर्षों में राजगढ़ विधानसभा क्षेत्र का तेजी से विकास कार्य होगा, उन्होंने कहा पच्छाद के सराहां से "पोषण अभियान की शुरुआत की। साथ ही आशा कार्यकर्ताओं को योजना के अंतर्गत मोबाइल फोन वितरित किए। उन्होंने बताया की पच्छाद विधानसभा क्षेत्र की पांच दशकों पुरानी मांग एसडीएम कार्यालय को हाल ही में मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी प्रदान की गई है। अब पच्छाद विकास खंड की 30 पंचायतों के लिए नियमित रूप से एसडीएम कार्यालय सराहां में खुलेगा और लोगों को अब अपने कार्यों के लिए राजगढ़ के चक्कर नहीं काटने पड़े।

गुरू गोविन्द सिंह राजकीय महाविद्यालय में मॉकड्रिल का आयोजन

पांवटा (हिका). गुरु गोविंद सिंह जी राजकीय महाविद्यालय पांवटा साहिब में महा विद्यालय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न प्राकृतिक व मानव जनित आपदाओं से स्वयं व अन्य लोगों को सामूहिक जागरूकता व सुरक्षित रखने के लिए मॉकड्रिल का आयोजन किया गया जो कि 'समर्थ 2019' कार्यक्रम के अंतर्गत जनसाधारण को जागरूकता अभियान का हिस्सा है। हिमाचल प्रदेश गृह रक्षक कंपनी कमांडर सुरेंद्र सिंह पुंडीर दल के अन्य सदस्यों सहित अग्निशमन विभाग के जवानों ने महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष प्रदर्शन के द्वारा आपदा से बचने संबंधी विभिन्न तरीकों को विस्तार पूर्वक बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. देविन्द्रा गुप्ता, प्रो.सुलक्षणा शर्मा, प्रो.जगदीश चौहान, प्रो. विम्मी रानी, प्रो. अरुण दीप चौधरी कार्यक्रम संचालन व आयोजन सदस्य प्रो. कमलेश कुमार,प्रो.स्वामीनाथन, प्रो. सोनिया मोहिल, प्रो. किरण बाला शर्मा के अतिरिक्त प्रो. तनु चंदेल, प्रो.कांता चौहान, प्रो. प्रतिभा चौधरी , प्रो.स्वाति चौहान इत्यादि मौजूद रहे ।

इस प्रदर्शन के अंत में प्राचार्या प्रोफेसर देविन्द्रा गुप्ता ने सभी छात्रों को प्राकृतिक और मानव जनित आपदाओं बारे में बचाव संबंधी तरीके के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी ।

गुरूनानक मिशन पब्लिक स्कूल का ट्राफी पर कब्जा

पांवटा (प्रे.वि). गुरू नानक मिशन स्कूल की छात्राओं ने एक बार फिर सिरमौर बास्केटबाल प्रतियोगिता में चैम्पियनशिप ट्राफी जीत कर अपने स्कूल का नाम रोशन किया। यह टूर्नामेंट राजकीय सीनियर सेकेडरी स्कूल बिलासपुर में गत 10 से 12 अक्टूबर तक चला जिसमें इस स्कूल की 5 छात्राओं ने भाग लिया। इस टीम ने सेमीफाइनल में कांगड़ा को 57.22, फाइनल में उना को 49–19 से तथा खेल छात्रावास को 67–50 से हराजकर राज्यस्तरीय चैम्पियनिशप ट्राफी पर कब्जा किया तथा स्कूल की यह सभी छात्राएं राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित हुई हैं।

स्कूल की प्रधानाचार्या देविन्द्र साहनी ने सभी खिलाड़ी टीम को बधाई दी तथा उनके कोच गुरनाम सिंह की पीठ थपथपाई। डायरेक्टर बी.एस.सैनी ने भी सभी खिलाड़ियों एवं कोच को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

नशे से दूर रहें युवा- गुरदीप सिंह

पांवटा (हिका). राज्य स्तरीय यमुना शरद महोत्सव में खोलकूद प्रतियोगिताओ में स्थानीय दर्शको ने भरपूर आनन्द लिया। अधिकांशतया भीड़ खेलकूद प्रतियोगिताओ मे देखने को मिली। खेलकूद के आयोजनो के शुरूआती दौर में अनिल सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की ने। वही दूसरी और पांवटा के एक अन्य समाजसेवी गुरदीप सिंह सैनी ने समापन समारोह में हिस्सा लिया और बतौर मुख्य अतिथि पधारे । उन्होने दिल खोलकर खोलकूद प्रतियोगिता के आयोजन के लिये युवाओ के उत्साह वर्धन हेतू पुरस्कार राशि भी प्रदान की।

उन्होने कहा कि सांस्कृतिक आयोजन की अपेक्षा हमें खेलकूद में भी रूचि रखनी चाहिए, इससे युवाओ का उत्साह वर्धन तो होगा ही साथ ही वे यदि खेलो में अपनी रूचि दिखायेगे तो स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा और नशे से दूर रहेगें । जो कि हमारे समाज पर दिन प्रतिदिन कलंक बनता जा रहा है । उन्होने युवाओ से अपील की कि नशे से दूर रहे और खेलो में अपनी रूचि बढाये ताकि उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहे और समाज से इस बुराई को दूर किया जा सके ताकि एक अच्छे समाज की परिकल्पना की जा सके। प्रशासन द्वारा गुरदीप सिंह का भव्य स्वागत किया गया और दिल की गहराईयो से उनका आभार भी प्रकट किया।

खेलकूद प्रतियोगिताओ के समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि ने प्रत्येक खिलाडी से हाथ मिलाकर उनका हौसला अफजाई भी की और पूरे समय तक खेलों का आनन्द भी लिया।

रामलीला मंच पर डांस प्रतियोगिता के विजेता बने विशाल कुमार

माजरा (हिका). माजरा में आयोजित रामलीला मंच पर दशहरे की संध्या पर डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें नन्हे –मुन्ने कलाकारों के साथ –साथ युवाओं और युवतियों ने भी अपनी कला का लोहा मनवाया । प्रतियोगिता में जहां जूनियर वर्ग में विजेता को 1100/– सौ और सीनियर वर्ग के विजेता को 2100/–सौ रूपये नगद राशि इनाम में दी गई वही यह आयोजन अनुष्क अग्रवाल, लक्ष्य बंसल व रामलीला दशहरा कमेटी के सौजन्य से कराया।

इसमें युवाओं और युवतियों ने अपनी–अपनी कला का बेहतर प्रदर्शन करते हुए लोगों का खूब मनोरंजन किया। इस प्रतियोगिता में लगभग 25 से 30 युवाओं ने भाग लिया जिसमें सीनियर वर्ग में चंडीगढ़ के विशाल ने बेहतरीन डांस का प्रदर्शन कर लोगों की खूब वाहवाही लूटी और प्रथम स्थान प्राप्त कर ट्रॉफी पर अपना कब्जा किया तथा जूनियर वर्ग में नीरज विजयी रहे वहीं लड़कियों में पांवटा साहिब की विनीता वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर जीत हासिल कीं।

हिलव्यु स्कूल ने मनाया 'समर्थ–2019

माजरा (प्रे.वि). शिक्षा विभाग के निर्देशन अनुसार हिलव्यु पब्लिक स्कूल माजरा में जागरूकता अभियान 'प्राकृतिक आपदा प्रबन्धन' के तहत बच्चों को प्राकृतिक आपदा जैसे–भूंकप आना, आग लगना, बाढ़ आना, भू–स्खलन इत्यादि प्राकृतिक आपदाओं के कारण और उनसे बचाव के उपाय बताकर बच्चों को जागरूक किया गया। इसके अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। चित्रकला प्रतियोगिता के अन्तर्गत बच्चों द्वारा अग्निशमन, यंत्र का प्रयोग दर्शाया गया। बाढ़ पीड़ितों को बचाने के उपाए भी दर्शाए गए। प्राकृतिक आपदा के ऊपर बच्चों ने विभिन्न प्रकार के नारे लिखे जैसे धरती नहीं बचाओगे तो जन्म कैसे पाओगे, "इफ यू डोंट वांट ऊ हर्ट" निबन्ध लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें बच्चों ने प्राकृतिक आपदाओं के कारण व बचाव विस्तार सहित लिखे।

सर्वश्रेष्ठ 3 प्रतियोगिताओं के नाम एवं उनकी कलाकृति शिक्षा विभाग नाहन को भेजा गया। स्कूल की निदेशक श्रीमती पूनम गोयल व प्रधानाचार्य श्रीमती पूनम शर्मा ने बच्चों के द्वारा किये गये कार्य की प्रशंसा की।

मुद्रक, प्रकाशक और स्वामी अरविन्द गोयल द्वारा हरिओम मैनुफैक्चरर, कुंजा मतरालियों, पांवटा साहिब (हि.प्र.) से मुद्रित तथा एच–7 हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी, नाहन, जिला सिरमौर (हि.प्र.) –173001 से प्रकाशित। सम्पादक : अरविन्द गोयल। फोन: 01704–318724 फैक्स : 01704–225724, पाँवटा कार्यालय : वाई प्वाईट, मेन बाजार, पाँवटा साहिब। समस्त वाद–विवाद का न्यायिक क्षेत्र पांवटा साहिब, जिला सिरमौर होगा। PR No. : L/SLN/98/2019-21; R.N.I.No 66124/97 ; D.A.V.P No .131488